दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र
प्रभात परिक्रमा
वर्षः 30 | अंकः 257 | भोपाल, बुधवार 1 अक्टूबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

किसानों की खुशहाली का आधार बनी मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना

प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क' पर आधारित विश्व की अनूठी परियोजना

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की समृद्धि के लिए हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए प्रदेश के राजगढ़ जिले की मोहनपुरा-कुंडालिया सिंचाई परियोजना क्षेत्र की समृद्धि और किसानों की खुशहाली का आधार बन रही है। इस अनूठी परियोजना से जहां हर खेत में पानी पहुंच रहा है, वहीं उद्योगों को पानी मिलने और पेयजल की उपलब्धता ने नए निवेश के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। इससे आम-जीवन सुखमय हो रहा है।

यह परियोजना प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क प्रणाली पर आधारित विश्व की अनूठी सिंचाई परियोजना है, जो मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पर ड्रॉप, मोर क्रॉप की अवधारणा को पूरा कर रही है। न केवल भारत के विभिन्न राज्यों से अपितु विदेशों के प्रतिनिधि दल भी आकर इसका अध्ययन कर रहे हैं। परियोजना को जल-संसाधन प्रबंधन के लिए भारत सरकार का प्रतिष्ठित सीबीआईपी पुरस्कार भी मिल चुका है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर ड्रॉप, मोर क्रॉप की अवधारणा दी. उनकी इस

अवधारणा पर कार्य करते हुए हमारे इंजीनियर्स ने सिंचाई को अति आधुनिक तकनीकी प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क पर काम करना प्रारंभ किया

प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क पर आधारित विश्व की अनूठी परियोजना

यह परियोजना प्रेशराइज्ड पाइप नेटवर्क प्रणाली पर आधारित विश्व की अनूठी सिंचाई परियोजना है, जो मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पर ड्रॉप, मोर क्रॉप की अवधारणा को पूरा कर रही है। न केवल भारत के विभिन्न राज्यों से अपितु विदेशों के प्रतिनिधि दल भी आकर इसका अध्ययन कर रहे हैं। परियोजना को जल-संसाधन प्रबंधन के लिए भारत सरकार का प्रतिष्ठित सीबीआईपी पुरस्कार भी मिल चुका है।

और उसका सुपरिणाम है मोहनपुरा कुंडलिया सिंचाई परियोजना।

इस सिंचाई परियोजना के माध्यम से न केवल 80 प्रतिशत पानी बांध से किसानों के खेतों तक पहुंचता है, अपितु ऊंचे खेतों पर भी पानी आसानी से पहुंच जाता है. इसमें लगा स्काडा आधारित ऑटोमेशन यह तय करता है कि फसलों की आवश्यकता के अनुसार किस क्षेत्र में कितना पानी पहुंचाना है। यह विश्व की अपनी तरह की अनूठी परियोजना है और आधुनिक युग की आवश्यकता भी, जब पानी की एक-एक बूंद का उपयोग आवश्यक है। नेवज नदी पर मोहनपुरा बांध और कालीसिंध नदी पर कुंडालिया बांध बनाकर शुरू की गई इस परियोजना से भूमिगत पाइप से सीधे खेत तक दबाव के साथ पहुंचाती है और ऊंचाई वाले खेत में भी पानी आसानी से पहुंचता है। इसके सेंसर और ऑटोमेशन से पानी का वितरण नियंत्रित होता है। यह क्रांतिकारी सोच थी, जिसने सूखाग्रस्त राजगढ़ जिले की किस्मत बदल दी।

परियोजना के अंतर्गत 26 हजार किमी लंबी भूमिगत पाइपलाइन बिछाई गई है, इतनी लंबी प्रेशराइज्ड पाइप लाइन भारत में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में एक मिसाल है। इसे जोड़ने के लिए 20 बड़े पंपिंग स्टेशन बनाए गए हैं, जो पानी को दबाव के साथ पाइप लाइन में भेजते हैं और पानी ऊंचे-नीचे खेतों तक आसानी से पहुंचता है। हर आउटलैट से लगभग एक से सवा हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है।

संक्षिप्त समाचार

ड्रग मामले में अभिनेत्री रिया को मिली बड़ी राहत

मुंबई एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को ड्रग मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने रिया चक्रवर्ती को विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की जमानत की शर्तों को कम कर दिया है। आरोप है कि दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से पहले, रिया और उनके भाई अक्सर विभिन्न व्यक्तियों के माध्यम से हशीश और गांजा जैसे नशीले पदार्थ मंगवाते थे। इस मामले में उन्हें 2020 में गिरफ्तार किया गया था। जमानत देते हुए, निचली अदालत ने शर्त लगाई थी कि रिया चक्रवर्ती विशेष न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकतीं। इस शर्त में ढील दी गई है। दरअसल रिया चक्रवर्ती के वकील ने हाईकोर्ट में इस बाबत दलील दी। उन्होंने कहा कि उन्हें (रिया चक्रवर्ती) काम के सिलसिले में विदेश जाना पड़ता है और पूर्व अनुमति मिलने में देरी के कारण उन्हें काम छोड़ना पड़ता है।

पाकिस्तानी खिलाड़ी अब विदेशी टी-20 लीग नहीं खेल सकेंगे

कराची एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने विदेशी टी-20 लीग में खेलने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट सस्पेंड कर दिए हैं। बोर्ड ने यह फैसला एशिया कप फाइनल के एक दिन बाद लिया। बोर्ड ने इस फैसले का कारण नहीं बताया है। क्रिकइंफो के मुताबिक, बोर्ड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुमैर अहमद सैयद ने 29 सितंबर को एक नोटिस भेजकर खिलाड़ियों और एजेंट्स को इस फैसले की जानकारी दी। नोटिस में लिखा था, PCB चीफ के अनुसार लीग और अन्य विदेशी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के सभी NOC अगले आदेश तक सस्पेंड कर दिए गए हैं। एशिया कप का फाइनल 28 सितंबर को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने पाक को 5 विकेट से हराया।

असम में जुबिन गर्ग की मौत पर एफआईआर? सीएम की पत्नी समेत कई बड़े नाम शामिल

एजेंसी | गुवाहाटी

मशहूर गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध मौत के मामले में असम में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गायक के करीबी मित्र अंकुर हजारिका ने 27 सितंबर को गुवाहाटी के वशिष्ठा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्वा शर्मा की पत्नी रिंकी भुवन शर्मा, टीवी एंकर अर्नब गोस्वामी समेत कई प्रभावशाली लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जुबिन गर्ग की मौत वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और कथित साजिश से जुड़ी है। दर्ज आवेदन में भारतीय दंड संहिता की कई गंभीर धाराओं का हवाला देते हुए कहा गया, शिकायत में दर्ज लोगों की साजिश, लापरवाही और षड्यंत्र के चलते गर्ग की जान गई है।

जुबिन गर्ग का निधन हाल ही में सिंगापुर में संदेहप्रद हालत में हुई थी. उनकी मौत को लेकर असम में पहले सवाल उठ रहे हैं। अब लिखित शिकायत पर एफआईआर की अर्जी में मुख्यमंत्री की पत्नी का नाम सामने आने से मामला गरमा गया है।

राजनीतिक तौर पर भी यह घटना अहम मानी जा रही है. हाल ही में बोडोलैंड परिषद चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। विपक्ष इसे हेमंता सरकार के खिलाफ जनता के असंतोष से जोड़ रहा है।

पुलिस ने शिकायत की पुष्टि की है. अभी मामले की जांच की जा रही है। भाजपा खेमे के लिए यह शिकायत बड़े संकट का संकेत बन सकती है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि गर्ग की मौत के कारणों को छिपाने की कोशिश सरकार कर रही है. सच सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है जिसके कारण असम की राजनीति में बवाल पैदा हो गया है।

1 अक्टूबर ने नया सिस्टम एक्टिव होगा

सतना जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 8 महिलाएं-बच्चियां झुलसी

एक सप्ताह बाद से विदाई शुरू होगी

नया सिस्टम बनने की वजह से प्रदेश में मानसून की विदाई फिलहाल नहीं होगी। एक सप्ताह के बाद मानसून लौटने लगेगा। बता दें कि अब तक प्रदेश के 12 जिलों से मानसून विदा हो चुका है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम भी शामिल हैं। राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से मानसून विदा हुआ है।

अब तक 122 प्रतिशत बारिश

बता दें, प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 45.1 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 37.3 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.8 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37.2 इंच है।

● **दशहरे पर बारिश का अलर्ट; बालाघाट में सवा इंच बारिश, भोपाल-जबलपुर भी भीगे**

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में मंगलवार को भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर समेत 10 जिलों में बारिश हुई। बैतूल में डेढ़ इंच पानी गिर गया। बालाघाट के मलाजखंड में सवा इंच, दतिया में आधा इंच से ज्यादा और ग्वालियर में आधा इंच बारिश हुई। भोपाल, जबलपुर, सागर, डिंडौरी, मुरैना में भी बूंदाबांदी हुई। इधर, सतना जिले के लालपुर गांव में मंगलवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से देवी मंदिर में पूजा कर रही आठ महिलाएं और बच्चियां झुलस गईं। हादसे में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसका इलाज मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इससे दशहरे के दिन भी कई जिलों में बारिश हो सकती है। दक्षिणी हिस्से में ज्यादा असर रहेगा। फिलहाल हल्की बारिश का अलर्ट है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अगले 4 दिन तक प्रदेश में हल्की बारिश होने का अनुमान है। गरज-चमक और तेज हवा की स्थिति भी बनी रही। पांचवें दिन से तेज बारिश का दौर फिर से शुरू हो सकता है। इससे पहले सोमवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। ग्वालियर से मानसून लौट गया है, लेकिन सोमवार को यहां 9 घंटे में सवा इंच पानी बरस गया। भोपाल, दतिया, खरगोन, बड़वानी, नर्मदापुरम, मंडला, सागर में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। बड़वानी जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर दूर तलवाड़ा बुजुर्ग गांव के खेतों में बारिश का पानी घुस गया। स्थानीय किसान राकेश मुकाती ने कहा- तीन हेक्टेयर खेत में लगी भिंडी और मक्के की फसल खराब हो गई है। करीब 80 हजार रुपए का नुकसान हुआ।

वहीं, खरगोन में नमी की वजह से कपास की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। मंडी में नीलामी एक सप्ताह के लिए रोक दी गई है। किसान अपने घरों में तो जिनिंग संचालक फैक्ट्री परिसर में कपास सुखा रहे हैं। केके फायबर्स के संचालक प्रितेश अग्रवाल ने कहा- जिनिंग फैक्ट्री में सूखने के लिए रखा 700 क्विंटल कपास गीला होकर बह गया। बारिश के कारण किसान खेतों से कपास की चुनाई नहीं करा पा रहे हैं।

चैतन्यानंद की महिलाओं के साथ चैट सामने आई

● **वादे करके लुभाता था, फोन में कई एयरहोस्टेस की फोटो मिलीं; 17 छात्राओं ने शोषण के आरोप लगाए**

एजेंसी | नई दिल्ली

छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के बारे में कई बातें सामने आई हैं। पुलिस ने चैतन्यानंद के मोबाइल से कई महिलाओं की चैट बरामद की है। इसमें पता चला कि वह महिलाओं को आकर्षित करने के लिए उनसे कई वादे करता था। यही नहीं, चैतन्यानंद के फोन में कई एयरहोस्टेस की फोटोज भी मिली हैं। उसने कई महिलाओं की सोशल मीडिया प्रोफाइल फोटो भी सेव करके रखी थीं। पुलिस ने चैतन्यानंद की दो महिला सहयोगियों को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ हो रही है। पुलिस ने बताया- चैतन्यानंद जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। वह पूछताछ में झूठ बोल रहा है। वह पूछे गए प्रश्नों का उत्तर तभी देता है, जब हम उसके सामने सबूत पेश करते हैं।

आगरा से गिरफ्तार हुआ था चैतन्यानंद

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पुलिस से बचने के लिए बिना सीसीटीवी कैमरों वाले सस्ते होटलों में ठहरता था। वह उत्तर प्रदेश के धार्मिक शहरों वृंदावन, मथुरा में भी छिपा रहा। चैतन्यानंद के करीबी उसके लिए होटल चुनते थे। 27 सितंबर को वह आगरा के एक होटल में ठहरा था। 28 सितंबर की सुबह 3.30 बजे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है।

बुआलोई तूफान ने मचाई तबाही, अब तक 14 की मौत 13 लापता, कई घर भी ढहे

एजेंसी | हनोई

वियतनाम में बुआलोई तूफान ने भारी तबाही मचाई। इसकी चपेट में आने से मरने वालों की संख्या 14 हो गई है, जबकि 13 लोग लापता बता जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 46 लोग घायल हैं। उत्तरी वियतनाम के निन्ह बिन्ह प्रांत में छह लोगों की मौत हो गई और सात घायल हुए हैं। पूरे प्रांत में 10 घर ढह गए और 10 की छतें उड़ गईं।

रिपोर्ट में प्रांतीय कृषि एवं पर्यावरण विभाग के हवाले से बताया कि करीब 30 बिजली के खंभे गिर गए, जबकि कई पेड़ और चावल के खेत तबाह हो गए। कृषि एवं पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक सोमवार सुबह तक क्वांग त्रि

और जिया लाई प्रांतों में 17 लोग लापता हैं। ह्यू शहर और थान होआ प्रांत में बाढ़ और पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत हुई है। संयंत्र के एक प्रतिनिधि ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे, भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण सेंट्रल हा तिन्ह प्रांत में स्थित एक ताप विद्युत संयंत्र की कोयला भंडारण छत ढह गई।

बैंक ग्राहकों का 4 करोड़ का सोना चुराने वाले गिरफ्तार

ग्वालियर नप्र। ग्वालियर के डबरा में मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड कंपनी में ग्राहकों के 4 करोड़ रुपए के असली सोने को नकली से बदलने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर ने ही सोना बदलकर राजस्थान के भरतपुर में अपने पिता के यहां छिपाया था। पुलिस ने यहां से 4.100 किलो सोना बरामद किया है। यह मामला 25 तारीख को सामने आया था। मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंधक, विजिलेंस टीम और अन्य कर्मचारी डबरा सिटी थाने पहुंचे थे। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी कि बैंक से 4 किलो 380 ग्राम असली सोने को नकली सोने से बदल दिया गया है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।

बिहार में एसआईआर की फाइनल लिस्ट जारीः 69 लाख नाम हटे, 21 लाख नए जुड़े, कुल वोटर्स 7.42 करोड़

एजेंसी | पटना

चुनाव आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की फाइनल लिस्ट मंगलवार को जारी कर दी है। बिहार में अब कुल वोटर्स की संख्या 7.42 करोड़ हो गई है। फाइनल लिस्ट से 69.29 लाख नाम कटे हैं। 21.53 लाख नए नामों को जोड़ा गया है। SIR से पहले जून 2025 में बिहार में कुल 7.89 करोड़ वोटर्स थे।

पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद ये आंकड़ा 7.24 करोड़ हो गया है। इसमें 65.63 लाख लोगों के नाम कटे थे। पहले ड्राफ्ट लिस्ट से जो 65 लाख नाम कटे थे, उसमें 17 लाख नामों को लिस्ट में जोड़ा

गया है। नई लिस्ट में 22.34 लाख लोग मृत पाए गए हैं। 6.85 लाख लोगों के 2 जगह नाम मिले हैं। 36.44 लाख लोग दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं।

फाइनल लिस्ट में पटना में 1.63 लाख वोटर्स बढ़े

फाइनल SIR लिस्ट में पटना जिले में 1 लाख 63 हजार 600 मतदाता बढ़े हैं। पटना में पहले 46 लाख 51 हजार 694 मतदाता थे। फाइनल रोल में 48 लाख 15 हजार 694 मतदाताओं के नाम हैं। वहीं, सारण में 2 लाख 24 हजार 768 मतदाताओं का नाम कट गया है। पहले यहां 31 लाख 27 हजार 451 वोटर्स थे, जो अब घटकर 29 लाख 02 हजार 683 हो गए।

पाकिस्तान के क्वेटा में बम ब्लास्ट, 10 की मौत, 32 घायल राष्ट्रपति जरदारी बोले- इसके पीछे भारत समर्थित आतंकियों का हाथ

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के क्वेटा शहर में मंगलवार दोपहर भीड़भाड़ वाली सड़क पर सुसाइड बम ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी न्यूज पेपर डॉन के मुताबिक, इसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 32 घायल हैं। मारे गए लोगों में 4 उग्रवादी भी हैं। क्वेटा के SSP मोहम्मद बलोच के मुताबिक, पैरामिलिट्री फोर्स हेडक्वार्टर के पास विस्फोटक से भरी गाड़ी में धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की खिड़कियां टूट गई और दीवारों में दरार आ गई। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इसके पीछे भारत समर्थित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों का हाथ है। भारत ने अभी तक इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। क्वेटा में इस महीने यह दूसरा बम ब्लास्ट हुआ है। इससे पहले 3 सितंबर को क्वेटा बलूच नेशनल पार्टी की रैली के दौरान बम विस्फोट हुआ था। 40 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहवानी स्टेडियम में बलूचिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि पर एक रैली निकाली गई थी।

क्वेटा के सभी बड़े हॉस्पिटल में इमरजेंसी घोषित

बलूचिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री बख्त मोहम्मद काकर के मुताबिक घायलों को सिविल अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सभी बड़े अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। इनमें क्वेटा सिविल अस्पताल, बलूचिस्तान मेडिकल कॉलेज अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर शामिल हैं। सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्ट, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को अस्पतालों में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

संपादकीय

यूनुस की गलतबयानी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत के साथ रिश्ते खराब होने का ठीकरा पूरी तरह नई दिल्ली पर फोड़ दिया है। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के लिए उन्होंने जो कारण गिनाए हैं, वे पूरी तरह भ्रामक और सच से मुंह मोड़ने वाले हैं। मोहम्मद यूनुस को यह रास नहीं आ रहा कि भारत ने बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को शरण दी है। उनके मुताबिक, भारत को बांग्लादेशी स्टूडेंट्स का विरोध-प्रदर्शन पसंद नहीं आया और भारतीय मीडिया की तरफ से दुष्प्रचार किया गया। यूनुस ने ये बातें न्यूयॉर्क में कहीं, जहां वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गए हुए हैं। एक तो द्विपक्षीय मसलों पर बात करने के लिए यह कोई मंच नहीं था और फिर यूनुस ने अधूरी तस्वीर पेश की है। अगस्त, 2024 में उनके सत्ता संभालने के बाद से बांग्लादेश के अंदरूनी हालात लगातार बिगड़े हैं, अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। भारत ने स्टूडेंट्स के आंदोलन पर कभी ऐतराज नहीं किया - हां, अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर चिंता जरूर जताई है। यह कोई दुष्प्रचार नहीं है, इस साल फरवरी में जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं, अहमदिया मुस्लिमों, ईसाइयों, बौद्ध और यहां तक कि चटगांव के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाली मूल जनजातियों पर भी हमले बढ़े हैं। सच यही है कि उनकी सरकार में कट्टरपंथी ताकतों का दखल पड़ा है। कानून-व्यवस्था और जल्द चुनाव के मुद्दे पर उनकी बांग्लादेशी सेना के साथ भी अनबन हो चुकी है। यूनुस पर जिम्मेदारी थी जल्द से जल्द चुनाव कराने की, जिससे वह बचते आ रहे हैं। स्टूडेंट्स का भरोसा भी उन पर कम हुआ है। इसके बावजूद वह ऐसे नीतिगत फैसले ले रहे हैं, जिसका असर लंबे वक्त तक बांग्लादेश को प्रभावित करेगा। उन्होंने अपने देश को पाकिस्तान और चीन की तरफ झुका दिया है। वह शायद भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर दिया अपना बयान भूल गए, जो हर लिहाज से पड़ोसी धर्म के खिलाफ था। यूनुस सार्क को फिर से सक्रिय करना चाहते हैं, लेकिन उनकी कोशिशों के पीछे का मकसद साफ समझ आ जाता है - पाकिस्तान की वकालत करना। सार्क भले निष्क्रिय हो, लेकिन दूसरे क्षेत्रीय संगठन बीआईएमएसटीईसी के जरिये भारत पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। यूनुस अगर भारत के साथ बेहतर रिश्ते चाहते हैं, तो उन्हें जियो पॉलिटिक्स का मोहरा बनने के बजाय नई दिल्ली से सीधे बात करनी चाहिए और सच को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

(ललित गर्ग)

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।

भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है।

राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा', 'देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।

सड़क में गड्ढे या गड्ढों में सड़क

(अक्षय शुक्ला)

सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक कभी बीमारू की श्रेणी में आने वाला उत्तर प्रदेश रेवेन्यू प्लस स्टेट बन गया है। यानी उसकी कमाई खर्च से अधिक हो गई है। इस उपलब्धि के पीछे नोएडा का सर्वाधिक योगदान रहा। लेकिन विडंबना यह कि यूपी के इसी शो विंडो का सिविक इन्फ्रास्ट्रक्चर कितने खस्ता हाल में है। करोड़ों की कमाई करने वाली नोएडा अथॉरिटी आज तक यहां के बाशिंदों को एक सम्मानजनक पब्लिक ट्रांसपोर्ट नहीं दे पाई। लोग ठसाठस भरे ऑटो या खटारा ई-रिक्शा में जान हथेली पर रख सफर करने को मजबूर हैं। हर सड़क पर छुट्टा जानवर घूम रहे जो हादसों व जाम का कारण बन रहे हैं। इनसे बच कर किसी तरह आगे बढ़ें तो बीच सड़क बड़ा सा गड्ढा आपकी राह रोक देता है।

बरसात के बाद यहां की सारी सड़कें गड्ढों से अटी पड़ी हैं। यही हाल हरियाणा की झोली भरने वाले गुड़गांव का है। बल्कि पूरे एनसीआर में धरती पर ही चांद की सतह का अहसास हो रहा है। ये टूटी सड़कें कमर दर्द के साथ ही हादसों को भी दावत दे रही हैं। कहीं अचानक गड्ढा आने पर टेंपो पलट रहा, तो कहीं ब्रेक लगाने से पीछे आ रही गाड़ी टकरा रही। दोपहिया वालों का तो भगवान ही मालिक है। हाइवे और एक्सप्रेसवे इससे अछूते नहीं बचे तो शहर की सड़कों की बात ही क्या करें।

नोएडा में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को आना था तो आनन-फानन में कई सड़कों पर पैचवर्क कर चमका दिया गया तो कहीं आसपास की गंदगी को घास की चादर से ढक दिया गया। वीआईपी तो कुछ घंटों में आकर चले जाएंगे, यहां रहने वाले तो साल भर यहां से गुज़रते हैं, उनके लिए ऐसी तत्परता या ज़िम्मेदारी का भाव कब दिखेगा?

ऐसे विभागों को आइना दिखाने के लिए ही एनबीटी ने गुड़गांव में सड़कों को संवारने की मुहिम चलाई कि अगर ज़िम्मेदार सो रहे हैं तो यह शहर हमारी भी ज़िम्मेदारी है। अभियान को जैसा समर्थन मिला, उसे देख साफ है कि आम लोगों के लिए यह कितना बड़ा मुद्दा है।

बरसात के बाद यह हर साल की कहानी है। ऐसी सड़कें बन रही हैं, जो एक बारिश भी नहीं झेल पातीं। देशभर में सिस्टम पर ऐसी ही ज़ंग पड़ी है। ऐसा नहीं कि यह सब रिपोर्ट नहीं हो रहा। अखबारों, चैनलों में लगातार खबरें आ रही हैं। दूरदराज के इलाकों से कई युवा सोशल मीडिया पर गड्ढों में तब्दील हो चुकी सड़कों की हकीकत दिखा रहे हैं। लेकिन मजाल है कि ज़िम्मेदारों को ज़रा भी फर्क पड़ रहा हो।

आखिर इसकी जांच क्यों न हो कि चंद दिनों में ही नई बनी सड़क दम कैसे तोड़ देती है। क्या ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट नहीं कर देना चाहिए। नीचे से लेकर ऊपर तक सभी विभागों की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती।

ऐसे विभागों को आइना दिखाने के लिए ही एनबीटी ने गुड़गांव में सड़कों को संवारने की मुहिम चलाई कि अगर ज़िम्मेदार सो रहे हैं तो यह शहर हमारी भी ज़िम्मेदारी है। हमने फावड़ा थामा कि हज़ारों हाथ हमारे साथ खड़े हो गए और अपने इलाके के गड्ढे भरने लगे। अभियान को जैसा समर्थन मिला, उसे देख साफ है कि आम लोगों के लिए यह कितना बड़ा मुद्दा है।

इतनी सी बात वे नहीं समझ पा रहे, जिन पर इसकी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने बस आदेश जारी कर दिए कि अक्टूबर तक रोड चमका दें। ये सड़कें कितने दिन टिकेंगी, इसका भी हिसाब हो तो बेहतर होता।

इस बीच, गड्ढों ने एक अच्छी खबर भी दी। पता चला कि दो युवक चेन छीन कर बाइक से भाग रहे थे कि सड़क पर गड्ढा आने से उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ा और वे वहीं गिर पड़े। लोगों ने चेन वापस ली और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। चलिए, सड़क के गड्ढों ने किसी का तो भला किया। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

भव्यता के दिखावे तले दिव्यता का किस्तों में कत्ल

इतिहास गवाह है कि सत्ताधारी दलों ने धर्म निरपेक्षता के नाम पर केवल और केवल सनातन को ही क्षति पहुंचाई है। केवल मंदिरों, तीर्थों और आस्था के केन्द्रों पर ही शिकंजा कसा है। केवल वैदिक मान्यताओं को ही अंधविश्वास की परिभाषाओं में जकडा है। आदिगुरु शंकराचार्य के द्वारा सनातन की पुनर्स्थापना के उपरान्त स्थापित की गई चार पीठों की मर्यादाओं को अस्तित्वहीन किया है।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

सनातन की मान्यताओं, आदर्शों और संस्कारों को समाप्त करने के लिए बहुमुखी आक्रमण हो रहे हैं। सत्ता से लेकर कथित ठेकेदारों तक ने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु हमेशा ही वैदिक परम्पराओं को नस्तनाबूत करने के प्रयास किये हैं परन्तु स्वाधीनता के बाद से तो इन प्रयासों में दूरदर्शितापूर्ण षडयंत्रों की धार भी देखी जाने लगी। कभी अल्पसंख्यकों को संरक्षण देने के नाम पर सनातन को कुचलने की कोशिशें हुईं तो कभी कानूनों के निर्माण से अधिकारों का हनन किया गया। इतिहास गवाह है कि सत्ताधारी दलों ने धर्म निरपेक्षता के नाम पर केवल और केवल सनातन को ही क्षति पहुंचाई है। केवल मंदिरों, तीर्थों और आस्था के केन्द्रों पर ही शिकंजा कसा है। केवल वैदिक मान्यताओं को ही अंधविश्वास की परिभाषाओं में जकडा है। आदिगुरु शंकराचार्य के द्वारा सनातन की पुनर्स्थापना के उपरान्त स्थापित की गई चार पीठों की मर्यादाओं को अस्तित्वहीन किया है। चार पीठों हेतु चार आचार्यों वैदिक व्यवस्था को न्यायालय के कटघरे में खडा करके एक आचार्य को सन् 1982 में दो पीठों पर स्थापित कर दिया गया यानी चार पीठों पर केवल तीन शंकराचार्य पदस्थ किये गये। कानून के डंडे ने वैदिक व्यवस्था को सूली पर चढा दिया। जगतगुरु की उपाधि से विभूषित सनातन के सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित एक शंकराचार्य को सन् 2004 में सलाखों के पीछे पहुंचाया गया। बहुसंख्यक होने का दण्ड देते हुए आपातकाल में केवल और केवल हिन्दुओं की ही जबरन नसबंदी करके तत्कालीन सरकार ने अपनी तानाशाही का परमच फहराया। वर्तमान में तेजी से बढ रहा जनसंख्या असंतुलन उसी कुटिल तानाशाही की देन है जिसका बीजारोपण इमरजेन्सी के दौरान किया गया था। श्रद्धा के केन्द्रों पर समर्पित होने वाली दानराशि पर भी सरकारी कब्जा करने की कानूनी व्यवस्था कर दी गई। सनातनती तीर्थों को संचालित करने हेतु मनमाने बोर्ड, समितियां और निकाय बना दिये गये। इन संस्थाओं में भी सत्ताधारियों ने अपने पसन्दीदा लोगों को बैठाकर स्वार्थ सिद्धि की नूतन व्याख्यायें करना शुरू कर दी है। देश के चारों दिशाओं में स्थापित चार धामों की मान्यताओं को अस्तित्वहीन करते हुए श्रीबद्रीनाथ धाम, श्रीरामेश्वरम् धाम, श्रीद्वारिका धाम और श्रीजगन्नाथ धाम को हासिये के बाहर पहुंचाने का काम करते हुए उत्तराखण्ड सरकार ने श्रीयमुनोत्री यानी पवित्र यमुना नदी के उदगम, श्रीगंगोत्री यानी पवित्र गंगा नदी के उदगम, श्रीकेदारनाथ यानी ज्योतिर्लिंग तथा श्रीबद्रीनाथ धाम यानी एक धाम को चार धाम कहकर न केवल प्रचारित किया बल्कि सनातन की वैदिक व्यवस्था को ही विकृत करने की सरेआम कोशिश निरंतर की जा रही है। इस कोशिश में केन्द्र सरकार ने भी खुलकर साथ दिया। वास्तविक चारों धामों की मान्यतायें केवल श्रीबद्रीनाथ धाम सहित एक ज्योतिर्लिंग, दो पवित्र नदियों के उदगम तक सीमित करके भ्रम की स्थिति निर्मित कर दी गई। इसी तरह श्रीअमरनाथ, सप्त पुरियों, माता वैष्णव देवी सहित 51 शक्तिपीठों के अलावा अन्य सभी स्थानों पर मनमानी प्रबंधकारिणी संस्थायें स्थापित करके वहां की वैदिक परम्पराओं को विकृत करने के निरंतर प्रयास हो रहे हैं। आस्था के केन्द्रों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के सरकारी प्रयासों को विकास के नये सोपान के रूप परिभाषित किया जा रहा है जबकि वास्तव में वहां की संस्कृति, संस्कार और संरचनायें पूरी तरह से अस्तित्वहीन होती जा रहीं हैं। विकास के नाम पर मनमानी परियोजनाओं को जबरन लागू करने से जहां एक ओर वैदिक

सनातनी शक्ति स्थलों की तपीय ऊर्जा समाप्त हो रही है वहीं पवित्र भूमि पर आधुनिक सुख-सुविधाओं का बाहुल्य होते ही निधेषात्मक कृत्यों की बाढ सी आ गई है। मांसाहार और शराब की कौन कहे, लिव एण्ड रिलेशनशिप जैसे मापदण्ड कानून के संरक्षण में खुलेआम फलफूल रहे हैं। साधना के स्थलों को पिकनिक स्पाट बनाया जा रहा है। वहीं सरकारी अमला कागजी घोडों की दौड में उपलब्धियों के नित नये कीर्तिमान गढने में लगा है और उन मनमाने आंकडों की दम पर स्वयं की पीठ थपथपाने वालों की संख्या में भी आश्चर्यजनक वृद्धि हो रही है। केवल उत्तराखण्ड को ही ले लें तो वहां पर होने वाली भूस्खलन की घटनाओं में निरंतर हो रहे इजाफे ने वहां के पहाडों के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह अंकित करने शुरू कर दिये हैं। भारी भरकम निर्माण कार्यों की धमक ने जहां पर्वत श्रंखलाओं को अन्दर से हिल दिया है वहीं ड्रिल, खनन और विस्तारीकरण से उसकी आन्तरिक पकड कमजोर होती जा रही है। ऐसे में पहाडों को कृत्रिम मजबूती देने के नाम पर करोडों की धनराशि व्यय करके सीमेन्ट पोतने, जाली लगाने, नटबोल्ट कसने जैसे कार्य किये जा रहे हैं जबकि उत्तराखण्ड के पहाडों पर किये गये अनेक शोधों में वहां की पर्वत श्रंखलाओं के साथ छेडछाड करने की घटनाओं को घातक ही नहीं बल्कि आत्मघाती के रूप में निरूपित किया गया है। कैरीडोर के नाम पर पुरातन स्वरूप समाप्त होने लगा है, उन्मुक्त धवल धारा को कैद किया जा रहा है, मंत्रों से लेकर कर्मकाण्ड तक के पराविज्ञान के प्रयोगों हेतु निर्धारित स्थलों को सीमित किया जा रहा है, पुरोहित परम्परा को संकुचित करने की योजना सामने आ रही है। देश के ईमानदार करदाताओं की खून-पसीने की कमाई को आस्था के संरक्षण की आड में लालफीताशाही द्वारा स्वार्थ की वेदी पर निछावर किया जा रहा है। कार्यपालिका के द्वारा सनातन के विरोध में किये जा रहे मीठे जहर के प्रयोगों को विधायिका द्वारा आंख बंद करके स्वीकारने की स्थिति से उसकी मानसिक क्षमताओं पर भी प्रश्नचिन्ह अंकित हो रहे है। कुल मिलाकर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि भव्यता के दिखावे तले दिव्यता का किस्तों में कत्ल किया जा रहा है। दूसरी ओर स्वयं की दुकान चलाने के लिए सनातन का ढिंढोरा पीटने वालों की भी कमी नहीं है। स्वयंभू ठेकेदारों द्वारा कभी कट्टरपंथियों का भय दिखाकर एकता का नारा बुलंद किया जाता है तो कभी जातिगत खाई को पाटने की मुहिम चलाई की घोषणा होती है। कभी भीड के साथ लम्बे रास्ते तय करके जन जागरण की अलख जगाने का ढिंढोरा पीटा जाता है तो तभी आम आवास की रोजमर्रा वाली जिंदगी में खलल डालते हुए अव्यवस्थायें फैलाई जाती हैं। बत्ती, हूटर और गार्ड्स का भौंकाल दिखाकर कानून तोडने वाले भीड की अगवाई और सरकार पर पकड का दिखावा करके स्वयं को एकमात्र धर्मरक्षक घोषित करने में लगे हैं। ऐसे लोगों के अनर्गल वक्तव्यों को पीआर एजेन्सीज़ की सहायता से चर्चा में लाया जाता है ताकि ठेकेदारों की लोकप्रियता को राष्ट्रीय परिधि से निकाल कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाई जा सके। ऐसे में आम आवाम के समक्ष राष्ट्रधर्म के साथ साथ स्वयं की आस्था को भी संरक्षित रखने की कडी चुनौती है जिसके लिए उसे स्वंय ही विश्लेषण, चिन्तन और समीक्षा के आइने में आत्मनिरीक्षण करना होगा तभी सनातन की निरंतरता स्थापित रह सकेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, बुधवार 1 अक्टूबर 2025

आधे से भी कम छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

कृषि विश्वविद्यालयों में एडमिशन संकट

भोपाल। कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर और ग्वालियर में यूजी की सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया 18 सितंबर से चल रही है, जो आठ अक्टूबर तक चलेगी। प्री एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी) का रिजल्ट आने के बाद दोनों विवि के 17 सरकारी कालेजों की करीब 1472 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा, लेकिन इस बार एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की घटती संख्या ने दोनों विवि की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, पहली आनलाइन काउंसलिंग में 1472 सीटों के लिए सिर्फ 2715 विद्यार्थियों ने ही पंजीयन कराया है, जबकि 12 हजार 563 विद्यार्थी पीएटी परीक्षा में सफल रहे। इनमें नौ हजार 848 विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्होंने पीएटी उत्तीर्ण करने के बाद भी काउंसलिंग में भाग नहीं लिया। जबलपुर विवि के जानकार बताते हैं कि प्रदेश के अन्य निजी और आटोनामस कालेजों में बिना पीएटी के प्रवेश दिया जा रहा है।

सरकारी कॉलेज में इसलिए कम प्रवेश

प्रदेश के कई निजी और पारंपरिक शिक्षा प्रदान करने वाले शासकीय कॉलेजों में अब कृषि में यूजी कराया जा रहा है। इन कॉलेजों में प्रवेश के लिए पीएटी परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। बिना पीएटी के सीधे प्रवेश दिया जा रहा है। जबलपुर और ग्वालियर कृषि विवि से संबद्ध सरकारी कॉलेजों में पीएटी परीक्षा में पास होने पर ही प्रवेश दिया जाता है। जबलपुर कृषि विवि में लगातार प्रोफेसरों की कमी हो रही है, लेकिन भर्ती नहीं हो रही। कृषि विवि का बजट न मिलने से भवन और अन्य शिक्षा संबंधित कार्यों में बाधा आ रही है। कृषि विवि की सीटों पर एक नजर जबलपुर कृषि विवि- जबलपुर- 77 रीवा- 77 टीकमगढ़- 77 गंजबसौदा- 77 वारासिवनी- 77 पवारखेड़ा- 77 खुरई सागर- 66 पन्ना- 66 पेमेंट सीट- 201 हार्टिकल्चर- 132 फारेस्ट्री- 28 एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग- 77

भोपाल में मंगलवार को मौसम का मिजाज बदला

भोपाल में 200 से ज्यादा जगहों पर होगा रावण दहन

अंतिम चरण में पहुंची रावण दहन और चल समारोह की तैयारी

भोपाल। इस वर्ष दशहरा पर्व 2 अक्टूबर, गुरुवार को देशभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में इस पर्व को लेकर तैयारियां चरम पर हैं। शहर के अलग-अलग हिस्सों में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के विशाल पुतलों का निर्माण तेजी से हो रहा है। दशहरा के इस ऐतिहासिक उत्सव को लेकर कलाकार, आयोजक और प्रशासन सभी पूरे उत्साह के साथ जुटे हैं। शहरभर में 200 से ज्यादा जगहों पर रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। छोला, टीटी नगर, कोलार, जंबूरी मैदान, न्यू मार्केट और अवधपुरी प्रमुख स्थान हैं जहां विशाल आयोजन की तैयारी है। विजयदशमी पर संस्कार उत्सव समिति द्वारा आयोजित 23वां महानगर विजयदशमी महोत्सव इस बार भी विशेष अंदाज में मनाया जाएगा। यह आयोजन केवल पुतला दहन तक सीमित न होकर सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बन गया है। संयोजक डॉ सुरजीत सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष आयोजन की खास बात यह है कि भारत का सबसे छोटा रावण दहन होने जा रहा है। केवल 5 फीट ऊंचे रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन होगा, लेकिन इसके बावजूद लगभग 50,000 लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद है।

इन प्रमुख स्थानो में आयोजन

छोला दशहरा मैदान में श्री हिंदू उत्सव समिति के तहत 51 फीट के रावण, 45 फीट के कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन होगा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीराम का तिलक 11 ब्राह्मणों द्वारा किया जाएगा। नासिक ढोल पार्टी, पुलिस बैंड और रथ यात्रा इस आयोजन को और भव्य बनाएंगे। कोलार बंजारी दशहरा मैदान में 105 फीट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा। आयोजन की निगरानी विधायक रामेश्वर शर्मा ने की। अवधपुरी जंबूरी मैदान में भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा 111 फीट ऊंचे रावण का दहन होगा। साथ ही 2 अक्टूबर को भजन गायिका आशा वैष्णव की प्रस्तुति भी होगी। टीटी नगर में नागरिक कल्याण समिति द्वारा राधौगढ़ के आतिशबाजों की भव्य आतिशबाजी और हनुमान लीला के मंचन का आयोजन किया जाएगा।

आज से नया सिस्टम, दशहरे पर बारिश का अलर्ट

मप्र में अगले 4 दिन हल्की बरसात का अनुमान, तेज हवा चलेगी

भोपाल। विदाई के बीच इस सप्ताह मध्यप्रदेश में मानसूनी बारिश की एक और झड़ी लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इससे दशहरे के दिन भी कई जिलों में बारिश हो सकती है। दक्षिणी हिस्से में ज्यादा असर रहेगा। फिलहाल हल्की बारिश का अलर्ट है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अगले 4 दिन तक प्रदेश में हल्की बारिश होने का अनुमान है। गरज-चमक और तेज हवा की स्थिति भी बनी रही। पांचवें दिन से तेज बारिश का दौर फिर से शुरू हो सकता है। इससे पहले सोमवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। ग्वालियर से मानसून लौट गया है, लेकिन सोमवार को यहां 9 घंटे में सवा इंच पानी बरस गया। भोपाल, दतिया, खरगोन, बड़वानी, नर्मदापुरम, मंडला, सागर में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। बड़वानी जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर दूर तलवाड़ा बुजुर्ग गांव के खेतों में बारिश का पानी घुस गया। स्थानीय किसान राकेश मुकाती ने कहा- तीन हेक्टेयर खेत में लगी भिंडी और मक्के की फसल खराब हो गई है। करीब 80 हजार रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, खरगोन में नमी की वजह से कपास की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। मंडी में नीलामी एक सप्ताह के लिए रोक दी गई है। किसान अपने घरों में तो जिनिंग संचालक फैक्ट्री परिसर में कपास सुखा रहे हैं। केके फायबर्स के संचालक प्रितेश अग्रवाल ने कहा- जिनिंग फैक्ट्री में सूखने के लिए रखा 700 क्विंटल कपास गीला होकर बह गया। बारिश के कारण किसान खेतों से कपास की चुनाई नहीं करा पा रहे हैं। गीला कपास पौधों से टूटकर गिर रहा है। एक सप्ताह बाद से विदाई शुरू होगी नया सिस्टम बनने की वजह से प्रदेश में मानसून की विदाई फिलहाल नहीं होगी। एक सप्ताह के बाद मानसून लौटने लगेगा। बता दें कि अब तक प्रदेश के 12 जिलों से मानसून विदा हो चुका है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम भी शामिल हैं। राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से मानसून विदा हुआ है।

मध्य प्रदेश में हार्ट अटैक से 40 प्रतिशत मौत

जीएमसी को नहीं मिलेंगे 7 करोड़

भोपाल। केंद्र सरकार की मेडिकल सर्टिफिकेशन ऑफ काउज ऑफ डेथ यानि एमसीसीडी 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश में होने वाली कुल मृत्यु में से 40 प्रतिशत लोगों की मौत हार्ट या इससे संबंधित बीमारियों की वजह से होती है। इसके बावजूद मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य अमला हार्ट से संबंधित बीमारियों के मामले में लापरवाही बरत रहा है। ताजा मामला भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज से जुड़ा हुआ है। जहां प्रबंधन की लापरवाही की वजह से केंद्र से मिलने वाली 7 करोड़ रुपए की राशि जीएमसी को नहीं मिल सकी। जीएमसी ने ऐसे गंवाया 7 करोड़ रुपए का अनुदान केंद्र सरकार ने जीएमसी में स्वीकृत डीएम कार्डियक एवं एनेस्थीसिया कोर्स शुरू करने के निर्देश दिए थे। इन दोनों कोर्स के शुरू होने पर केंद्र सरकार द्वारा 7 करोड़ रुपए का अनुदान मिलना था, लेकिन गांधी मेडिकल कॉलेज दोनों ही कोर्स शुरू नहीं कर पाया। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने गांधी

मेडिकल कॉलेज की डीन को पत्र भी लिखा है। जिसमें कहा गया है कि मध्य प्रदेश शासन को भारत सरकार से लगभग 7 करोड़ का अनुदान प्राप्त नहीं हो रहा है, क्योंकि इसके लिए जारी दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया। दो विभागों में सुपरस्पेशलिटी कोर्स शुरू अधिकारियों ने बताया कि कार्डियक साइंस सेंटर के अंतर्गत कार्डियोलॉजी विभाग और कार्डियो फोरेंसिक विभाग में सुपर स्पेशलिटी कोर्स शुरू हो गए हैं, लेकिन गांधी मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों द्वारा जान बूझकर डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया का प्रपोजल शासन एवं एमएनसी को नहीं भेजा गया है। जबकि कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग में दो-दो डीएम शिक्षक पहले से ही उपलब्ध हैं। साल 2022 में अलग किए गए दोनों संकाय बता दें कि कार्यकारिणी की 71वीं बैठक के निर्णय एवं डीन कार्यालय के 11 अक्टूबर 2022 में जारी पत्र के अनुसार एनेस्थीसिया और कार्डियक एनेस्थीसिया पृथक-पृथक विभाग हैं। इसीलिए जीएमसी में कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग को वास्तविक रूप से पृथक कर सुपर स्पेशलिटी डीएम कोर्स शुरू करना था।

कुल मौत में 40 प्रतिशत ह्रदय रोग से

एमसीसीडी 2022 की रिपोर्ट के अनुसार कुल होने वाली मृत्यु में ह्रदय से संबंधित बीमारियों का हिस्सा 40 प्रतिशत है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो बजुर्ग और युवाओं के बाद बच्चों को भी अपनी चपेट ले रखा है। एमसीसीडी रिपोर्ट के अनुसार 14 साल से छोटे जितने बच्चों की मृत्यु होती है, उसमें 17 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु हार्ट अटैक के कारण होती है। प्रदेश में जिस प्रकार किसी भी उम्र में हार्ट संबंधी अनेक गंभीर बीमारियां बढ़ रही है, उसको देखते हुए यह कोर्स तुरंत प्रारंभ होना जरूरी है।

अभी संयुक्त रूप से हो रहा अध्यापन

वर्तमान में गांधी मेडिकल कॉलेज में संचालित एमडी कोर्स में ही कार्डियक एवं एनेस्थीसिया को जॉइंट रूप से पढ़ाया रहा है। अब जब डीएम कोर्स में सुपर स्पेशालिटी कोर्स शुरू होंगे तो अलग-अलग तरीके से बच्चों को अध्यापन कराया जाएगा। जब यह कोर्स चिकित्सा छात्र पढ़ेंगे तो जटिल से जटिल हार्ट रोग का वह नई-नई तकनीकों के साथ उपचार कर सकेंगे। इस मामले में गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. अरुणा कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का पत्र पहुंचने के बाद गांधी मेडिकल कॉलेज ने विभाग एवं एमएनसी से मार्गदर्शन के लिए पत्र लिखा है। जीएमसी में डीएम कार्डियक और एनेस्थिसिया कोर्स शुरू करने के संबंध में प्रक्रिया चल रही है।

मध्यप्रदेश में सिर्फ चार सरकारी नर्सिंग कॉलेजों को मिली मान्यता

सैकड़ों निजी कॉलेजों को हरी झंडी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया एक बार फिर सवालों के घेरे में है। 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए जारी नई सूची में राज्य के केवल चार शासकीय नर्सिंग कॉलेजों को ही मान्यता दी गई है, जबकि सैकड़ों निजी नर्सिंग कॉलेजों को बिना किसी बड़ी आपत्ति के मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले पर छात्र संगठन एनएसयूआई ने नर्सिंग काउंसिल की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस सत्र में कुल 33 नए और 360 पुराने नर्सिंग कॉलेजों ने मान्यता के लिए आवेदन किया था, जिनमें 21 शासकीय कॉलेज भी शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि इनमें से सिर्फ चार को ही स्वीकृति मिल सकी, जबकि भोपाल जैसे शहर के प्रतिष्ठित संस्थानों को भी बाहर कर दिया गया। इनमें भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर और पंडित खुशीलाल नर्सिंग कॉलेज जैसे संस्थान भी शामिल हैं। निजी कॉलेजों पर खुलकर मेहरबानी इसके उलट, 231 जीएनएम और 188 बीएससी नर्सिंग निजी कॉलेजों को मान्यता मिल गई। एनएसयूआई का आरोप है कि इनमें से कई कॉलेज न फेकल्टी के मानकों पर खरे उतरते हैं, न ही बुनियादी संसाधनों से लैस हैं, फिर भी इन्हें क्लीन चिट दे दी गई। संगठन का कहना है कि यह निर्णय न सिर्फ पक्षपातपूर्ण है बल्कि इससे नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। शिकायत के बाद भी मिली मान्यता एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि एनएसयूआई ने शासकीय और निजी नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी व अन्य गंभीर अनियमितताओं को लेकर नर्सिंग काउंसिल को विस्तृत शिकायतें सौंपी थीं। लेकिन हैरानी की बात है कि काउंसिल ने शासकीय नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रोक दी और दूसरी ओर निजी कॉलेजों को अनियमितताओं और फर्जी फैकल्टी की शिकायतों के बावजूद मान्यता दे दी। यह सीधा-सीधा भेदभाव है।

मप्र मानव अधिकार आयोग में नियुक्तियों पर विवाद

नेता प्रतिपक्ष की आपत्ति के कारण अटकी अध्यक्ष और न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियों का मामला विवादों में फंस गया है। दरअसल, आयोग में नियुक्तियों को लेकर कल शाम को सीएम हाउस में बैठक हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मानव अधिकार आयोग में अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्तियों को लेकर एतराज जताया और अपनी असहमति जताई। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष भी मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष की आपत्ति के बाद अब मानव अधिकार आयोग में सिर्फ प्रशासनिक सदस्य के तौर पर एपी सिंह की नियुक्ति होगी। आपत्ति के कारण न्यायिक सदस्यों के 3 नाम होल्ड कर दिए गए हैं। मप्र मानव अधिकार आयोग में नियुक्तियों को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रशासनिक सदस्य के लिए एपी सिंह के नाम पर सहमति दी। सिंह मप्र विधानसभा के प्रमुख सचिव पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

खास को उपकृत करने पद का नाम बदल दिया गया

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मानव अधिकार आयोग में न्यायिक सदस्य का पद है लेकिन, व्यक्ति विशेष को उपकृत करने के लिए वर्तमान में पद का नाम बदलकर प्रशासकीय सदस्य के तौर पर एक आवेदन बुलाया गया है। जो आवेदन बुलाए गए हैं, उनमें समाज के चुनिंदा वर्ग के लोगों के ही आवेदन शामिल किए गए हैं। विशेष लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए केवल उन्हीं लोगों को रिक्त पदों की सूचना गोपनीय तरीके से देकर उनसे ही आवेदन बुलवाए गए हैं। बैठक में जानो से पहले नेता प्रतिपक्ष ने कहा इस पूरी प्रक्रिया को इतने गोपनीय और छुपाकर क्यों किया जा रहा है? सिंघार ने मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष के पद को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ही व्यक्ति को बार-बार चयनित कर अध्यक्ष का प्रभार क्यों दिया जा रहा है? मानव अधिकार आयोग के एक्ट का खुला उल्लंघन सरकार कर रही है।

तीन साल से खाली है अध्यक्ष पद

आयोग के स्थायी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति लंबे समय से अटकी हुई है। अक्टूबर 2022 में अध्यक्ष जस्टिस एनके जैन सेवानिवृत्त थे। तब से कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में पहले मनोहर ममतानी हुए और फिर राजीव कुमार टंडन को जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन वे भी सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त हो गए। वर्तमान में अध्यक्ष और दो सदस्यीय पद खाली हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने लगाए आरोप

मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग में नियुक्तियों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया है कि प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के निदेशों की अनदेखी की गई। आयोग में रिक्तियों के लिए सार्वजनिक सूचना या विज्ञापन का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। स्वप्रेरणा से प्राप्त आवेदन का हवाला दिया, जो समान अवसर-पारदर्शिता के विपरीत है। सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल, केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसे निकायों में खुले विज्ञापन और स्पष्ट मानदंड पर बल दिया। समिति को भेजे गए नामों में अजा, अजजा का भी प्रतिनिधित्व नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि मैंने लिखित में आपत्ति दर्ज कराई है। फिर भी आयोग में नियमों के तहत नियुक्तियां नहीं की और सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को आवेदन करने के अवसर नहीं

कूनो नेशनल पार्क में आज से चीता सफारी

खुले जंगल में 16 चीते चीतों का रोमांच देख सकेंगे पर्यटक

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक अक्टूबर पर्यटक चीतों का रोमांच देख सकेंगे। इसी दिन से नेशनल पार्क में चीता सफारी की शुरूआत हो जाएगी। कूनो पार्क में बाड़ों के अतिरिक्त खुले जंगल में 16 चीते विचरण कर रहे हैं। कूनो और मंदसौर जिले के गांधीसागर अभयारण्य में कुल 27 चीते हैं। जिनमें भारत में जन्मे शावक भी शामिल हैं। बता दें कि चीता पुनर्वास परियोजना के तहत 17 सितंबर 2022 को अपने जन्म दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। इसके बाद फरवरी 2023 में 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से लाकर यहां छोड़े गए थे। वर्तमान में कूनो पार्क में 24 चीते हैं, जिसमें से आठ चीते और शावक बाड़े में हैं। शेष खुले जंगल में हैं जिनका दीदार पर्यटक कर सकेंगे। प्रदेश में चीतों के दूसरे रहवास मंदसौर जिले के गांधीसागर अभयारण्य यहां से भेजे गए तीन चीते बाड़ों में हैं। पर्यटन विभाग पार्क खुलने के बाद यहां कूनो रिट्रीट के आयोजन की भी तैयारी कर रहा है, जिसमें पर्यटकों के लिए रहने व खान-पान सहित कई अतिरिक्त सुविधाएं होंगी। एक अक्टूबर से पर्यटक यहां पहुंचेंगे, इसलिए वन विभाग की ओर से कूनो नेशनल पार्क की वेबसाइट पर भी कूनो सफारी को हाइलाइट किया गया है। हेल्पडेस्क भी बनाई गई है, जिस पर चीतों को लेकर पर्यटकों की जिज्ञासा आ रही है।

मप्र में अब ईको फ्रेंडली वस्तुओं से बनेंगी सडकें

सडक निर्माण में दिखेगा तकनीक और पर्यावरण संरक्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल्द ही सडकें और मजबूत बनेंगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास खराब सडकों की समस्या से निपटने के लिए व्हाइट टॉपिंग तकनीक अपना रहा है। सडकें ईको फ्रेंडली वस्तुओं से बनाई जाएंगी। इसके लिए निर्माण में फाइबर रेनफोर्समेंट का उपयोग होगा। यानी लोहे की सरिया की जगह फाइबर की लगेगी। इस तकनीक से बनी सडकें ज्यादा टिकाऊ होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं। वहीं सडकों के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए सडकों के किनारे पौधारोपण भी किया जाएगा। गौरतलब है कि मप्र में तेजी से सडकों का निर्माण हो रहा है। लेकिन जिस तेजी से सडकें बन

रही हैं , वे उसी तेजी से खराब भी हो रही हैं। इससे सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहते हैं। इसको देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास ने अब नई तकनीक से सडकें बनाने का निर्णय लिया है। प्रदेश की सडकें अब 30 साल तक नहीं टूटेंगी। सडकों की व्हाइट टापिंग की जाएगी यानी सडक बनाने में सीमेंट का उपयोग होगा। सडक निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ ईको फ्रेंडली सिस्टम का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। सडकों के किनारे खाली जगह उपलब्ध होने पर पौधारोपण एवं लैंड स्केपिंग का कार्य किया जाएगा। पौधारोपण के साथ सडक के किनारे मिनी गार्डन डेवलप किया जाएगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोड़वे का कहना है कि हम शहरी विकास एवं नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की ओर प्रतिबद्धत है। नवीन एसओआर-2025 केवल तकनीकी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हमारी विकास नीति और हरित शहरीकरण की सोच का प्रतीक है। हम चाहते हैं कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश की सडकें न केवल आधुनिक हों बल्कि आने वाली पीढि?ों के लिए सुरक्षित और टिकाऊ भी बनें। निर्माण के लिए बनेगी एसओआर सडक निर्माण में तकनीक और पर्यावरण संरक्षण के लिए मप्र में अब ईको फ्रेंडली वस्तुओं से सडकें बनेंगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शहरी अवसंरचना विकास को नई दिशा देने की मंशा के साथ सडक एवं पुलों के लिए मानक अनुसूची दर (एसओआर)-2025 का ड्राफ्ट जारी किया जा रहा है। इस एसओआर में वर्ष 2021 के बाद श्रम दर एवं मूलभूत सामग्रियों जैसे सीमेंट, स्टील, रेत, एग्रीगेट्स, मशीनरी, ईंधन आदि के दरों का पुनरीक्षण किया गया है। एसओआर में विभाग द्वारा विशेष रूप से सडक सुरक्षा, प्रीकास्ट आइटम तथा अल्ट्रा हाई परफार्मेंस कांक्रीट (यूएचपीसी) से संबंधित प्रविधानों को शामिल किया गया है, जिससे गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित अधोसंरचना विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस एसओआर के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी हितधारकों, विशेषज्ञों, संविदाकारों, इंजीनियरों एवं नागरिकों से सुझाव मांगे हैं। इसके अलावा विभाग द्वारा शीघ्र ही लैंडस्केपिंग एवं पौधारोपण के लिए अलग एसओमार भी जारी किया जाएयात इस एसओआर की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें केवल लागत और दरों का ही नहीं, बल्कि गुणवत्ता, सुरक्षा एवं पर्यावरणीय संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा गया है। सडक सुरक्षा और तकनीकी नवाचार सडकें ईको फ्रेंडली वस्तुओं से बनाई जाएंगी। इसके लिए निर्माण में फाइबर रेनफोर्समेंट का उपयोग होगा। यानी लोहे की सरिया की जगह फाइबर की लगेगी। पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री पर जोर दिया जाएगा। जिसमें फाइबर रीइन्फोर्ड कंक्रीट, फ्लाई ऐश, प्लास्टिसाइजर जैसी नई सामग्री रहेगी। ठोस अपशिष्ट से प्राप्त निष्क्रिय सामग्री के उपयोग का

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाए बिना भारत और ब्राजील को अपने बाजार खोलने की जरूरत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि अमेरिका को ब्राजील और भारत जैसे देशों को सही दिशा में लाना पड़ेगा। उनका कहना है कि इन देशों को अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कदमों से बचते हुए अपने बाजार खोलने की जरूरत है। लुटनिक ने एक साक्षात्कार में कहा, हमे स्विट्जरलैंड, ब्राजील, भारत जैसे कई देशों को फिक्स (सही दिशा में) करना है। ये देश अमेरिका के प्रति सही रुख अपनाएं, अपने बाजार खोलें और ऐसे कदम उठाना बंद करें जो अमेरिका को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए, हम इनके साथ विवाद में हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर आप अमेरिकी उपभोक्ताओं अपने सामान बेचना चाहते हैं, तो आपको राष्ट्रपति के साथ सहयोग करना होगा। लुटनिक ने भारत और ब्राजील के अलावा ताइवान और स्विट्जरलैंड जैसे देशों का भी जिक्र किया, जिनके साथ अमेरिका के व्यापारिक मुद्दे अभी अनसुलझे हैं।

उत्तरी नाइजीरिया के खदान में हादसा, 18 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने रविवार को विश्व आयुर्वेद दिवस मनाया। इस दौरान राजदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने अमेरिका में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता और इसके समग्र दृष्टिकोण के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण पर प्रकाश डाला। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, विश्व आयुर्वेद दिवस मानते हुए हमने आयुर्वेद के समय-परीक्षित सिद्धांत के संतुलित पोषण, समग्र स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण के मार्गदर्शन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि न्यूट्रिशन 360 का शुभारंभ सचेतन और साक्ष्य-आधारित पोषण को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख पहल है।

जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान भागे 7700+ कैदी नेपाल की जेलों में वापस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान देशभर के हिरासत केंद्रों से कुल 14,558 कैदी भाग गए थे। जेल प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 7,735 कैदी अपनी-अपनी जेलों में लौट आए हैं। जबकि, सुरक्षा बलों के साथ झड़प में 10 कैदियों की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ कैदी स्वेच्छा से लौटे हैं, जबकि अन्य को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, 6,813 कैदी अभी भी विभिन्न जेलों से फरार हैं। सरकार ने इन कैदियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

अफगान जेल से एक अमेरिकी नागरिक रिहा

काबुल, एजेंसी। तालिबान ने रविवार को एक अमेरिकी नागरिक को अफगान जेल से रिहा कर दिया। कुछ हफ्ते पहले तालिबान ने कहा था कि संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास के तहत कैदियों की अदला-बदली पर अमेरिकी दूतों के साथ उनका समझौता हो गया है। तालिबान विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने उस व्यक्ति की पहचान आमिर अमीरी के रूप में की।

ट्रंप मंगलवार को शीर्ष सैन्य अधिकारियों की बैठक को संबोधित करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वर्जीनिया स्थित क्वांटिको मरीन कॉर्प्स बेस में शीर्ष सैन्य नेताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। सूत्र के अनुसार, बैठक में सैकड़ों जनरल और एडमिरल और उनके प्रमुख सलाहकार बुलाया गया है। रक्षा मंत्री पीट हेजसेथ ने इस बैठक के लिए बहुत कम समय में नोटिस जारी किया।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के बाद बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा, तीन की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी पहाड़ी इलाके खगराछारी में रविवार को आदिवासियों और बंगाली समुदाय के बीच हिंसा भड़क गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह झड़पें एक आदिवासी स्कूली छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद शुरू हुईं। पुलिस ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की, लेकिन उनकी पहचान नहीं बताई।

अमेरिका में शटडाउन का बढ़ा खतरा

● रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच टकराव; व्हाइट हाउस में होगी अहम बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकार के शटडाउन का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। हालांकि, दोनों पक्ष अपने रवैये पर अड़े हुए हैं और अब तक किसी भी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं।

अगर मंगलवार रात तक अस्थायी फंडिंग बिल पारित नहीं हुआ, तो देशभर में कई सरकारी दफ्तर अस्थायी रूप से बंद हो जाएंगे। यानी जो कर्मचारी आवश्यक सेवा में नहीं आते, उन्हें बिना वेतन पर छुट्टी पर भेज दिया जाएगा, जिससे आम लोगों और अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ेगा। इसे शटडाउन कहा जाता है। रिपब्लिकन पार्टी चाहती है कि सरकार की फंडिंग फिलहाल जैसी है, वैसी ही जारी रहे। लेकिन डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कुछ अहम मांगे सरकार से मनवाना चाहते हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने कहा, यह बैठक केवल एक शुरुआत है, लेकिन हमें गंभीरता से बातचीत करने की जरूरत है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बैठक के लिए सहमति दी है। इस बैठक में चक शूमर, सीनेट के नेता जॉन थ्यून, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज भी शामिल होंगे। हालांकि, ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो इस हफ्ते शटडाउन तय है। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था, शटडाउन करना पड़े तो करेंगे। लेकिन शटडाउन कराने वाले वे (डेमोक्रेट्स) लोग हैं। ट्रंप प्रशासन डेमोक्रेट्स पर दबाव बना रहा है कि वे अपनी मांगे छोड़ें, क्योंकि अगर फंडिंग रुकती है तो कई सरकारी कर्मचारियों की स्थायी रूप से नौकरी जा सकती है। रिपब्लिकन नेता थ्यून ने रविवार को कहा, चक शूमर ने कुछ महीने पहले ही कहा था कि अगर सरकार का शटडाउन होता है तो इससे बहुत समस्या होगी। सबकुछ अराजक हो जाएगा, नुकसान होगा और लोग परेशान होंगे। शूमर की बात सही थी। इसलिए हमें सरकार शटडाउन से बचाना चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स का मानना है कि बैठक के लिए ट्रंप की सहमति दिखाती है कि उन पर बातचीत का दबाव है। उनका कहना है कि चूंकि व्हाइट हाउस और कांग्रेस दोनों रिपब्लिकन पार्टी के हाथ में हैं, इसलिए अगर सरकार का शटडाउन हुआ तो लोग ट्रंप और उनकी पार्टी को जिम्मेदार ठहराएंगे। लेकिन अपनी शर्तें मनवाने के लिए डेमोक्रेट्स को मंगलवार को उस अस्थायी फंडिंग बिल के खिलाफ वोट देना होगा, जिससे सरकार सात और हफ्तों तक चल सकती है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए असहज स्थिति है, क्योंकि वह हमेशा शटडाउन का विरोध करती रही है। यह बिल पहले ही रिपब्लिकन के नियंत्रण वाले हाउस में से पारित हो चुका है और इसे सीनेट में पारित करने के लिए कम से कम साठ वोट चाहिए।

मिशिगन के चर्च में गोलीबारी, चार की मौत, आठ लोग घायल

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रैंड ब्लैंक्स इलाके में चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (मॉरमोन चर्च) में खौफनाक हमला हुआ। यहां एक हमलावर ने चर्च में टक्कर मारकर ट्रक अंदर घुसा दिया फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। हालांकि जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी पुलिस की गोली का शिकार हो गया। रविवार सुबह करीब 10:25 बजे हुए इस हमले से चर्च परिसर में अफरातफरी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। पुलिस प्रमुख विलियम रेने ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और आठ मिनट में हमलावर को मार गिराया। चर्च में गोलीबारी को अंजाम देने वाले हमलावर की पहचान 40 वर्षीय थॉमस जैकब सैनफोर्ड के रूप में हुई है, जो पास के शहर बर्टन का रहने वाला था। उसके पास हथियारों के साथ गैस और संदिग्ध विस्फोटक भी मिले। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उसने विस्फोटक का इस्तेमाल किया या नहीं। एफबीआई ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इतना ही नहीं इस हमले के बाद आसपास के कुछ अन्य चर्चों में भी बम धमकी मिली, हालांकि जांच करने के बाद वहां कुछ नहीं मिला। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्हें मिशिगन गोलीबारी की जानकारी दी गई है। यह हिंसा तुरंत रुकनी चाहिए।

7 घंटे तक तटों पर मंडराता रहा चक्रवाती तूफान बुआलोई

वियतनाम में तबाही से 8 की मौत और 17 लापता

हनोई , एजेंसी। चक्रवात रगासा के बाद दक्षिण पूर्वी एशिया में एक और चक्रवात ने दस्तक दे दी है। चक्रवात बुआलोई ने सोमवार को वियतनाम में तबाही मचाई। इस दौरान कई घर मलबे में तब्दील हो गए। तेज आंधी-तूफान में बिजली के खंभे भी नीचे गिर गए।

नेशनल वेदर फोरकास्ट एजेंसी के अनुसार, चक्रवात बुआलोई से 8 व्यक्ति की मौत हो गई और 17 लोग लापता हैं। तूफान के कारण तेज बारिश के कारण समुद्र की लहरें पूरे उफान पर हैं। 88-117 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। वियतनाम से टकराने के पहले 7 घंटे तक चक्रवात तटों के आसपास मंडराता रहा। ऐसे में समुद्र की लहरें 8 मीटर की ऊंचाई तक उफान मार रही थीं। वियतनाम की हू सिटी में 8 व्यक्ति की बाढ़ में फंसकर मौत हो गई । वहीं, क्वांग त्री प्रांत में समुद्र की लहरें कई मछुआरों समेत 4 नावों को बहा ले गई।

28500 लोगों को किया रेस्क्यू: चक्रवात बुआलोई से टकराने के पहले सरकार ने 28,500 लोगों को रेस्क्यू करके तटीय इलाका खाली करवा दिया था। वहीं, मौसम खराब होने की वजह से कई फ्लाइट्स भी रद कर दी गई और कुछ फ्लाइट देरी से चल रही हैं।

बाढ़ से बिगड़े हालात: चक्रवात बुआलोई के चलते वियतनाम में शनिवार से ही भारी बारिश हो रही है, जिससे कई जगहों पर भूस्खलन और बाढ़ के हालात बन गए हैं। रविवार को भी यहां तेज बारिश का दौर जारी रहा। हालांकि, बीते दिन चक्रवात के तट से टकराने के बाद लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

वियतनाम से पहले बुआलोई ने फिलिपींस में तबाही मचाई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, चक्रवात बुआलोई से पहले यहां चक्रवात रगासा देखने को मिला था। रगासा के कारण ताईवान, हांगकांग और चीन में भी अलर्ट जारी किया गया था।

अफगानिस्तान के खिलाफ खोला मोर्चा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने अचानक रुख बदलते हुए ईरान और चीन-रूस के साथ मिलकर अफगानिस्तान और उसके आसपास अमेरिकी सैन्य अड्डों की स्थापना का विरोध किया है। चारों देशों ने संयुक्त बयान में कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने अमेरिकी सैन्य उपस्थिति के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और क्षेत्रीय सुरक्षा व शांति बनाए रखने का आह्वान किया। पाकिस्तान और उसके प्रमुख पड़ोसी देशों चीन और ईरान ने रूस के साथ मिलकर ''अफगानिस्तान और उसके आसपास किसी भी सैन्य अड्डे की स्थापना का विरोध किया है तथा काबुल की 'संप्रभुता और 'क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है। चारों देशों ने यह विरोध ऐसे समय में दर्ज कराया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अफगानिस्तान में अपने देश की सैन्य उपस्थिति की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। चीन, ईरान, पाकिस्तान और रूस के विदेश मंत्रियों की चौथी चतुष्पक्षीय बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क में हुई।

न्यूयॉर्क मेयर पद की रेस से हटे मौजूदा मेयर एरिक एडम्स

जोहरान ममदानी के चुनावी अभियान पर पड़ेगा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद का चुनाव दिलचस्प हो गया है। दरअसल न्यूयॉर्क के मौजूदा मेयर एरिक एडम्स चुनावी रेस से हट गए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर एरिक एडम्स ने अपना नाम वापस लेने का एलान किया। एरिक एडम्स ने जनवरी 2022 से न्यूयॉर्क मेयर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। वीडियो में एरिक एडम्स ने न्यूयॉर्क वासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका मेयर होना मेरे लिए गर्व की बात रही।

एरिक एडम्स की लोकप्रियता में आ रही थी लगातार गिरावट

एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने की चर्चाएं कई महीनों से चल रहीं थी। इसकी वजह एरिक एडम्स की लगातार गिरती लोकप्रियता थी। विभिन्न पोल्स में दिखाया गया कि एरिक एडम्स अन्य उम्मीदवारों से पिछड़े हुए थे और साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भी उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। एरिक एडम्स को ट्रंप प्रशासन से नजदीकियों के चलते भी डेमोक्रेट समर्थकों की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा था।

बीते दिनों ऐसी खबरें भी आई थी कि ट्रंप सरकार एरिक एडम्स को सऊदी अरब में अमेरिका का राजदूत नियुक्त कर सकती है। हालांकि उस वक्त एरिक एडम्स ने इन चर्चाओं को यह कहकर खारिज कर दिया था कि वह न्यूयॉर्क के मेयर के तौर पर काम करने के लिए समर्पित हैं। साल 2025 की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन के न्याय विभाग ने एरिक एडम्स के खिलाफ भ्रष्टाचार के संघीय आरोपों को भी खत्म कर दिया था। एरिक एडम्स पर आरोप लगे थे कि उन्होंने विदेशी दानदाताओं से गलत तरीके से उपहार स्वीकार किए। एरिक एडम्स को तुर्किये की सरकार की तरफ से भी उपहार मिले थे।

जोहरान ममदानी के चुनाव अभियान पर होगा असर: एरिक एडम्स के मेयर पद की रेस से हटने के बाद भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों अपने एक बयान में सुझाव दिया था कि अगर जोहरान ममदानी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो के बीच सीधी टक्कर होती है तो उसमें कुओमो के जीतने की संभावना ज्यादा है। ट्रंप ने कहा था कि कई उम्मीदवारों के होने से ममदानी को फायदा मिलेगा। अब जबकि एरिक एडम्स रेस से हट गए हैं तो माना जा रहा है कि इससे ममदानी की मुश्किल बढ़

● राजनीतिक संघर्ष के लिए तैयार हूं

पूर्व पीएम केपी शर्मा पीएम ओली ने देश छोड़ने की अटकलों को किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के प्रमुख केपी शर्मा ओली ने उन अटकलों को खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने मौजूदा अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि वह उनकी सुरक्षा और सरकारी सुविधाओं को छीनने की कोशिश कर रही है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ओली ने भक्त के गुंडु में पार्टी के संगठन युवा संघ नेपाल को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह देश छोड़ने वाले नहीं हैं और राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने समर्थकों से पूछा, क्या आपको लगता है कि हम यह देश इस आधारहीन सरकार को सौंपकर भाग जाएंगे? ओली ने कहा कि उनका लक्ष्य देश में शांति, सुशासन और सांविधानिक व्यवस्था की बहाली करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओली ने हाल ही में नौ सितंबर को प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास बलुवातार खाली किया था। यह कदम तब उठाया गया, जब जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के कारण उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद वह भक्तपुर के गुंडु में एक किराए के मकान पर रहने चले गए। प्रदर्शनकारियों ने उनका निजी आवास जला दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार जनता की इच्छा से नहीं, बल्कि तोड़फोड़ और आगजनी के जरिए सत्ता में आई है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि अगर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी ओर से सरकारी अधिकारियों को कोई निर्देश दिए गए हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। ओली ने कहा, उन्हें हिम्मत से प्रकाशित करो। मेरे निर्देश सार्वजनिक करो। मेरे पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है। ओली ने यह भी कहा कि उन्हें फिर से हमले होने का डर है। उन्होंने सरकार की आलोचना की कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूछा, सोशल मीडिया पर खुलेआम मेरे घर पर हमले की बातें हो रही हैं। सरकार क्या कर रही है? क्या देख रही है? उन्होंने उन रिपोर्ट पर भी आपत्ति जताई, जिनमें कहा जा रहा है कि सरकार उनके साथ ही नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा, आरजू राणा देउबा, रमेश लेखक और दीपक खड़का के पासपोर्ट जब्त करने का फैसला किया है। वह राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाकर देश को असुरक्षा की स्थिति में धकेल रही है। जेन-जेड के विरोध के दूसरे दिन ही ओली की सरकार गिर गई थी। मानवाधिकार संगठनों ने ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेख को विरोध के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग करने का जिम्मेदार ठहराया है।

नेपाल के बाद पेरू में जेन -जी प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे लोग

जापानी एनिमे केरेक्टर लूफी को रोल मॉडल बनाया, भ्रष्टाचार और पेंशन सुधार को लेकर सड़कों पर उतरे

लीमा, एजेंसी। नेपाल के बाद अब दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के जेन -जी भ्रष्टाचार को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। 27 सितंबर को राजधानी लीमा में हजारों युवाओं ने राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे के खिलाफ नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शन में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ और लाठीचार्ज किया, जिसके जवाब में युवाओं ने पथराव किया। दरअसल, ये विरोध 20 सितंबर को पेंशन प्रणाली में किए गए बदलावों के बाद शुरू हुए। नए नियम के अनुसार, पेरू में 18 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को किसी न किसी पेंशन कंपनी से जुड़ना होगा। इसके अलावा राष्ट्रपति बोलुआर्टे और संसद के खिलाफ लंबे समय से जनता में असंतोष बना हुआ है।

जेन -जी ने इस प्रदर्शन के लिए फेमस जापानी एनिमे वन पीस के केरेक्टर लूफी को अपना रोल मॉडल बनाया है। ये केरेक्टर न्याय के लिए लड़ता है।

पेंशन योजना में बदलाव: यहां, भ्रष्टाचार, आर्थिक असुरक्षा, बढ़ता अपराध और जवाबदेही की कमी ने युवाओं को नाराज किया है। 2022 में पूर्व राष्ट्रपति पेद्रो कास्तिलो को हटाए जाने और गिरफ्तार किए जाने के बाद, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में दर्जनों प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी। इस पर भी सरकार से सवाल किया जा रहा है। पेरू सरकार ने हाल ही में पेंशन सिस्टम में बदलाव किया है। पहले लोग चाहें तो पेंशन योजना से जुड़ सकते थे, लेकिन यह अनिवार्य नहीं था।

अब सरकार ने नियम बना दिया है कि पेरू में जो भी नागरिक 18 साल की उम्र पूरी कर लेगा, उसे किसी न किसी पेंशन प्रदाता कंपनी/संस्था से जुड़ना होगा। यानी कोई भी वयस्क इस सिस्टम से बाहर नहीं रह सकता। पेंशन प्रदाता वे निजी या सरकारी संस्थान होते हैं जो लोगों से हर महीने एक तय रकम जमा कराते हैं। रिटायरमेंट या बुढ़ापे में वही पैसा पेंशन के रूप में वापस मिलता है। पेरू की राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, देश की 27 आबादी 18 से 29 साल की उम्र के बीच है। ये युवा इस आंदोलन की रीढ़ हैं।

कई लोगों को लगता है कि यह जबरन वसूली जैसा है। युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, ऐसे में वे पेंशन के लिए पैसे कहां से जमा करेंगे? पेंशन प्रदाता संस्थाओं में पहले से ही भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें हैं। लोग चाहते हैं कि यह उनकी इच्छा पर निर्भर हो, मजबूरी न बने।

लोगों का कहना है कि सरकार को रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, न कि जबरन पेंशन योजना थोपनी चाहिए।

चीन के पूर्व कृषि मंत्री को मौत की सजा

317 करोड़ रुपए की रिश्वत ली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पूर्व कृषि मंत्री तांग रेनजियान को रविवार को भ्रष्टाचार मामले में मौत की सजा सुनाई गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तांग को 2007 से 2024 तक अलग-अलग पदों पर रहते हुए 317.3 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी और संपत्ति रिश्वत के रूप में ली।

हालांकि,उन्हें दो साल की मोहलत दी गई है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि तांग को उनके राजनीतिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। अदालत ने कहा कि तांग की सारी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और रिश्वत से जमा किए धन को वसूल कर राष्ट्रीय खजाने में जमा कर दिया जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि इस रिश्वत से देश और जनता के हितों को भारी नुकसान हुआ, इसलिए तांग को मौत की सजा दी गई। तांग ने अपने अपराध कबूल किए और पछतावा जताया। यह सजा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम का हिस्सा है, जिसमें कई बड़े नेता सजा पा चुके हैं। समर्थकों का कहना है कि यह मुहिम स्वच्छ शासन को बढ़ावा देती है, जबकि आलोचक इसे शी के राजनीतिक विरोधियों को हटाने का हथियार मानते हैं।

बीएसएसएस प्रोफेशनल सर्टिफिकेट अवार्ड सेरेमनी में स्नातक हुए सम्मानित

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) ने अपना प्रोफेशनल सर्टिफिकेट अवार्ड सेरेमनी को भव्यता के साथ आयोजित किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ए.ए.एस. दुरईराज, आर्चबिशप, डॉ फादर जॉन पी.जे. प्रधानाचार्य, फादर जोमी पनीथास ,अकादमिक डीन, डॉ. सिस्टर लीमा जैकब, उप-प्राचार्य और डॉ. विनय मिश्रा, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष के नेतृत्व में अवारदीस के प्रोसेशन के साथ हुई। बीएसएसएस गान के बाद पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

डॉ. फादर जॉन पी.जे. ने स्नातकों से स्पष्टता, साहस और दयालुता को मार्गदर्शक गुणों के रूप में अपनाने का आग्रह किया। प्रोफेशनल सर्टिफिकेट प्रदान करना समारोह का मुख्य आकर्षण रहा। स्टेफी थॉमस को उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक मिला, जबकि छात्रा नैना टोप्पो ने आभार के संकेत के रूप में प्रिंसिपल को गुरु दक्षिणा दी।

स्नातक बैच का प्रतिनिधित्व करते हुए, रितु सुंदरानी ने कविता द इक्विपमेंट के पाठ के साथ समापन किया। मुख्य अतिथि, आर्चबिशप डॉ एएएस दुरईराज एसवीडी ने डॉ श्रीकांत जीतकर की उल्लेखनीय यात्रा को याद करके स्नातकों को प्रेरित किया, जिनके पास 20 शैक्षणिक डिग्री हैं। समारोह का समापन फादर जोमी पनीथास के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने माइकल जोसेफ के शब्दों के साथ सभी का आभार व्यक्त किया।

परिवहन विभाग डिजिटल प्लेटफार्म से नागरिकों को दे बेहतर सेवाएँ : परिवहन मंत्री सिंह

फेसलेस सेवाओं के विस्तारीकरण का हुआ लोकार्पण

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार नागरिकों को गुड गवर्नेंस में बगैर तकलीफ के सेवाएँ देना चाहती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग में ऑनलाइन एवं फेसलेस सेवाओं का विस्तार किया गया है। अब नागरिकों को कार्यालय आए बिना 51 प्रकार की सेवाएँ दी जायेंगी। इस व्यवस्था से विभाग की कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यावसायिक दक्षता बढ़ेगी।

परिवहन मंत्री श्री सिंह मंगलवार को भोपाल के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय कोकता में फेसलेस सेवाओं के विस्तारीकरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राहवीर योजना में बालाघाट के श्री अंकित असाटी को पुरस्कृत किया। श्री असाटी ने बालाघाट में हुई सड़क दुर्घटना में तत्परता दिखाते हुए घायल राहगीर को समय पर अस्पताल पहुँचाने का श्रेष्ठ कार्य किया था। पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रुपये की राशि उनके खाते में अंतरित की गयी। परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दो पहिया चालकों को हेलमेट भी प्रदान किये।

सिंह ने कहा कि परिवहन विभाग की कार्य-प्रणाली को पासपोर्ट कार्यालय के समान बनाया जा रहा है। नागरिकों के ड्रायविंग लायसेंस एवं अन्य सुविधाएँ घर पहुँचाए जाने की सुविधा सुनिश्चित की जायेगी। परिवहन कार्यालयों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। नागरिकों को अब कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उन्हें आवश्यक दस्तावेजों की कमी की जानकारी भी ऑनलाइन दिये जाने की व्यवस्था होगी। किसी वजह से नागरिक को कार्यालय आना पड़ता हैं, तो इसकी नियमित समीक्षा डेशबोर्ड पर संबंधित परिवहन अधिकारी करेंगे। सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह ने बताया कि सेवाओं के विस्तारीकरण से विभाग की छवि में और सुधार आयेगा। परिवहन आयुक्त श्री विवेक शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन सेवाओं के सुधार के लिये एआई तकनीक (ऑर्टीफिशियल एन्टेलीजेंस) का भी उपयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं में और सुधार के लिये पब्लिक फोरम पर आए सुझावों पर अमल किया जाएगा। । विभाग में सारथी एवं वाहन पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम को एनआईसी के श्री कमलेश्वर जोशी ने भी संबोधित किया कार्यक्रम में परिवहन कार्यालयों में नागरिक सेवाओं के सुधार पर केन्द्रित फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

विकसित भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम है स्वदेशी अभियान : देवड़ा

भोपाल (नप्र) । उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस समय नवरात्रि चल रही है, दशहरा और दीपावली आने वाली है, हम सब का दायित्व है कि स्वदेशी अपनाएं और भारत को समृद्ध बनाएं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने यह बात रविवार को भोपाल के लखेरापुरा मार्केट के दुकानदारों के बीच जाकर कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संलल्प है कि 2047 में हमारा देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आए और हमारा भारत देश विश्व गुरू के रूप में स्थापित हो।

दुकानदारों को दिलाया स्वदेशी का संकल्पः उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में स्वदेशी संकल्प पत्र स्वयं भरा और दुकानदारों एवं ग्राहकों से भी अपील की कि वे भी स्वदेशी सामग्री क्रय-विक्रय का संकल्प लें। श्री देवड़ा ने उपस्थित दुकानदारों एवं उपभोक्ताओं को सामूहिक रूप से स्वदेशी अपनाने की शपथ भी दिलाई। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने लखेरापुरा मार्केट में स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत स्थानीय व्यापारी बंधुओ से भेंट कर उन्हें अभियान के संबंध में जानकारी दी और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने ग्राहकों को भी जागरूक कर स्वदेशी वस्तुएं खरीदने वालों को प्रोत्साहित किया। स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत श्री देवड़ा ने कहा कि ÷घटी जीएसटी मिला उपहार धन्यवाद मोदी सरकार हम सभी स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों पर गर्व करें। श्री देवड़ा ने लखेरापुरा मार्केट में दौरा कर दुकानों में स्वदेशी अपनाओं के स्लोगन लिखे पोस्टर चिपकाए और अपने विचार साझा किए।

अन्ना नगर में माँ भवानी की भव्य महाआरती सम्पन्न

भोपाल। अन्ना नगर आदर्श माँ भवानी दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पंचमी के पावन अवसर पर माँ भवानी की महाआरती का आयोजन भव्य रूप से किया गया। यह आयोजन अन्ना नगर क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। भक्तों ने सजाई आरती की थालियाँ इस महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन होकर सम्मिलित हुए। भक्तगण अपने-अपने घरों से आरती की थालियाँ सजाकर लाए और सामूहिक रूप से माँ भवानी की आरती की। समूचा वातावरण देवी भजनों, शंखनाद और घंटियों की ध्वनि से गूंज उठा। हर भक्त के चेहरे पर माँ के दर्शन और आराधना का आनंद स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। समिति के समर्पित सदस्यों की भूमिका आयोजन को सफल बनाने में आदर्श माँ भवानी दुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समिति के निम्नलिखित सदस्यों ने आयोजन में विशेष रूप से सक्रिय भूमिका निभाई- समिति के वीर पांडियन,सुनील चौरसिया,अरुमुगम,शेखर, ईशु, अरुल, वेंकटेश, एम. मनीष शिवम,उत्तर कुमार, सुब्रमणि आनंद कृष्णा,वी. अभिषेक सन्नी, अभिषेक ,गणेश, विष्णु, विग्नेश,पी. विष्ण, शक्ति, बाबू आदि इन सभी सदस्यों की निष्ठा और सेवा भावना के कारण ही यह आयोजन अत्यंत सफल और अनुशासित रहा।

दिल्ली का बादल मछली गैंग का सबसे बड़ा ड्रग सप्लायर

पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग राज्यों से खास कोड के जरिए होती थी डील

भोपाल, नप्र। राजधानी के चर्चित ड्रग्स मामले में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। उड़ता पंजाब की तर्ज पर मध्यप्रदेश में ड्रग्स की कड़ी अलग-अलग लोगों से जुड़ती जा रही है। मामले में अब एक और खुलासा हुआ है। दिल्ली का रहने वाला विशाल उर्फ बादल अरोरा मछली गैंग को सबसे अधिक ड्रग्स खपाता था। वहीं यासीन का गुर्गा अंशुल भी नाइजीरियन गुर्गों के संपर्क में रहता था। ऑर्डर सोशल मीडिया के माध्यम से खास कोड के जरिए बुक किए जाते थे।

यासीन के अंशुल और अंशुल के बादल से चेट्स भी क्राइम ब्रांच को मिले हैं। सभी के बीच दो दर्जन से अधिक बार बैंक ट्रांजेक्शन भी हुए हैं। इन तमाम बातों का खुलासा यासीन और शाहवर मछली समेत 10 आरोपियों के खिलाफ 15 सितंबर को कोर्ट में पेश चालान से हुआ है।चालान में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार सभी आरोपियों की काल डिटेल्स क्राइम ब्रांच ने निकाली हैं। बीते 6 महीने के भीतर इन सभी आरोपियों के बीच कई बार फोन पर बातचीत हुई है।

यासीन के मेमोरेंडम में चौंकाने वाले खुलासेः यासीन ने अपने मेमोरेंडम में बताया है कि वो अंशुल उर्फ

भूरी ड्रग्स की खेंप लाने के लिए भेजा करता था। अंशुल ड्रग्स विशाल उर्फ सावन अरेरा निवासी दिल्ली से लाता था। पूरी डील सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ही कन्फर्म होती थीं। अंशुल का साथी अमन था जो ड्रग्स को लाने में उसकी मदद किया करता था। पुलिस को यासीन, अंशुल, विशाल और अमन के बीच बैंक ट्रांजेक्शन मिले हैं। विशाल इस मामले में फरार चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में सैफुद्दीन, शाहरुख, यासीन मछली, शाहवर मछली, अंशुल, बेंचामत (नाइजीरियन), ओविन्ना (नाइजीरियन), अमन, लारिब उर्फ बच्चा, शाकिर के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया जा चुका है। इनके खिलाफ 6 अक्टूबर को आरोप तय करने पर बहस होगी।

इन आरोपियों की नहीं हो सकी गिरफ्तारी

ड्रग्स केस में आरोपी डॉ. रहमान मलिक, मोनिस, उमेर पट्टी, विशाल और सनव्वर अभी फरार चल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के बाद इनके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया जाएगा।

आरोपी सनव्वर के भाई को ड्रग्स तस्करी में बनाया आरोपी

पुलिस को आरोपी सनव्वर की तलाश थी। सनव्वर अपने भाई शाकिर के घर पर छिपा था। पुलिस जब उसकी तलाश में शाकिर के घर पहुंची, तो सनव्वर वहां से उनको भागता दिखा था, पीछा करने के बाद भी वह चकमा देने में कामयाब हो गया था। जिसके बाद पुलिस ने शाकिर के खिलाफ आरोपी को संरक्षण देने के लिए मामला दर्ज किया। इसके बाद आगे की जांच में शाकिर का कनेक्शन ड्रग्स के साथ पुलिस को मिला। जिसके बाद पुलिस ने उसे भी आरोपी बना दिया है।

दशहरे पर भी भीग सकता है प्रदेश

भोपाल । मध्यप्रदेश में जहां एक ओर मानसून विदाई की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के कई जिलों में बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ और निम्न दबाव क्षेत्र के सक्रिय होने से अगले 24 घंटों में प्रदेशभर में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर समेत कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।1 अक्टूबर से एक नया सिस्टम सक्रिय होने जा रहा है, जिससे 2 अक्टूबर को दशहरे के दिन भी बारिश की संभावना जताई जा रही है। इसको लेकर रावण दहन समितियां तैयारियों में जुट गई हैं ताकि बारिश के चलते पुतलों को नुकसान न पहुंचे।

कई जिलों में हुई बारिशः रविवार को नरसिंहपुर में आधा इंच से ज्यादा पानी बरस चुका है। बैतूल, पचमढ़ी, रतलाम, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, सागर और सिवनी जैसे जिलों में भी बारिश दर्ज की गई है। नर्मदापुरम जिले के तवा डैम में भी जलस्तर बढ़ने के चलते इसके पांच गेट खोल दिए गए हैं। वहीं प्रदेश के 12 जिलों ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम और शाजापुर से मानसून की आधिकारिक विदाई हो चुकी है। राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्सों में भी मानसून लौटने लगा है। हालांकि नया सिस्टम बनने से इसकी पूरी विदाई की प्रक्रिया थोड़ी देर से पूरी हो सकती है।

गुना सबसे अधिक भीगा, ये जिले रहे सूखे

16 जून को प्रदेश में दस्तक देने वाले मानसून ने अब तक औसतन 45 इंच बारिश दी है, जबकि सामान्य बारिश का आंकड़ा 37.2 इंच है। यानी अब तक प्रदेश में 122त्न बारिश हो चुकी है।अब तक सबसे ज्यादा बारिश गुना जिले में दर्ज की गई है यहां कुल 65.5 इंच पानी गिरा है। वहीं मंडला और रायसेन में 62 इंच से ज्यादा पानी बरस चुका है। इसके विपरीत, शाजापुर, खरगोन, खंडवा, बड़वानी और धार सबसे कम बारिश वाले जिलों में शामिल हैं।

भोपाल के 10 निजी विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर सूची में डाला, वेबसाइट अपडेट नहीं करने पर यूजीसी की सख्ती

भोपाल, नप्र। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने प्रदेश के 10 निजी विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर की श्रेणी में शामिल किया है। इसमें तीन निजी विवि भोपाल के हैं।

यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि निजी विश्वविद्यालयों को तय फार्मेट में प्रमाणित दस्तावेज समय-सीमा के भीतर जमा करने थे, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी कई विश्वविद्यालयों ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की।

इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए आयोग ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यूजीसी का कहना है कि निजी विश्वविद्यालयों को हर साल तय फार्मेट में प्रमाणित दस्तावेज जमा करना होता है।

इसमें दाखिले से संबंधित विवरण, डिग्री की मान्यता, शैक्षणिक गतिविधियां और फैकल्टी की स्थिति शामिल होती है, लेकिन इन विश्वविद्यालयों ने ऐसा नही किया।

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों की आधिकारिक

वेबसाइटों की जांच की। पाया गया कि कई विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट को समय पर अपडेट नहीं कर रहे हैं।

वहां पाठ्यक्रम, मान्यता, फैकल्टी, फीस संरचना और प्रशासनिक विवरण उपलब्ध नहीं थे। यूजीसी ने चेतावनी दी है कि यदि विश्वविद्यालय अब भी नियमों का पालन नहीं करते, तो उनके खिलाफ बड़ी कार्यवाही की जाएगी।

इसमें विश्वविद्यालय की मान्यता निरस्त करने से लेकर प्रवेश प्रक्रिया रोकने तक के कदम उठाए जा सकते हैं। इससे निजी विश्वविद्यालयों में हड़कंप मच गया है। कई विवि अब जल्दबाजी में अपनी वेबसाइट और दस्तावेज अपडेट करने की तैयारी में जुट गए हैं।

स्वच्छता अभियान के तहत ट्रेनों व स्टेशनों के शौचालय एवं यार्ड की गई सफाई

भोपाल (नप्र) । मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान डीआरएम श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन 17 सितम्बर से चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 28 सितम्बर को मंडल भोपाल सहित के प्रमुख स्टेशनों स्टेशनों के यात्री शौचालयों को अभियान चलाकर स्वछ किया गया साथ ही वन्दे भारत एवं भोपाल से प्रारंभ होने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों के शौचालय के साफ-सफाई की सुनिश्चिति की गई। स्टेशनों यार्ड की भी सफाई इस अभियान के माध्यम से की गई।

स्टेशनों एवं स्टेशन परिसर में मौजूद वर्तमान शौचालयों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था बनाये रखने एवं स्वच्छता की नियमित सुनिश्चिति मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा किया जा रहा हैं। जिसमें स्टेशनों के प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, कार्यालय, कोचिंग डिपों के शौचालयों एवं स्नानघरो तथा स्टेशन परिसर में स्थित यूरिनल आदि के निरीक्षण के दौरान पानी की सप्लाई तथा आवश्यकतानुसार टायलेट फिटिंग को दूरूस्त भी कराए जा रहे है।

सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने यात्रियों से अपील की यात्री एवं आमजन रेलवे लाइन के किनारे व रेलवे परिसर में खुले में शौच न करे तथा मंडल में सफाई संबंधी जागरुकता के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से स्टेशनों और रेलवे परिसरों में गंदगी फैलने से होने वाले बीमारी के बारे में उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से संदेश पहुँचाया जा रहा है।

निरोगी काया तभी होगी जब हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सेवा पखवाड़ा के तहत आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में सिकल सेल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि निरोगी काया तभी होगी जब हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। सेवा पखवाड़ा में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे हैं जिसमें महिलाएँ, बच्चे, किशोरी बालिकाएँ एवं अन्य लोग भी अपने स्वास्थ्य की जांच करायें तथा स्वास्थ्य रीवा विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करें। शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में किरण सेवा संस्थान के सहयोग से सिकल सेल एनीमिया जागरूकता एवं टेस्टिंग शिविर का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया एक रक्तविकार है जिससे बीमारी होती है इसकी जांच के उपरांत इलाज आवश्यक है। उन्होंने कहा कि किरण सेवा संस्थान बधाई की पात्र है जो इस क्षेत्र में सिकल सेल की जांच व उपचार का कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक संचालित सेवा पखवाड़ा अन्तर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान में सभी अपने स्वास्थ्य की जांच करायें।

किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य की जांचकर आभा कार्ड बनाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिये नियमित दिनचर्या में प्राणायम, योगासन, ध्यान करते हुए खानपान में सावधानी रखें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे राइट टू स्क्रीनिंग अभियान का लाभ लें व स्वास्थ्य की जांच करायें। उन्होंने कहा कि शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्युदर को कम करने के प्रयास जारी हैं। आने वाले समय में स्वस्थ व विकसित भारत एवं विकसित रीवा का संकल्प पूरा होगा। किरण सेवा संस्थान के डॉ. अभय मिश्रा ने शिविर की संक्षिप्त जानकारी दी। अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, प्राचार्य श्री आरएन तिवारी सहित प्राध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19

नेहल चुडासमा ने जीशान को किया नॉमिनेट, नीलम को बताया कम दिमाग वाली; बिग बॉस के घर में हुआ ड्रामा

टीवी की दुनिया का पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 में आए दिन रोमांच और संस्पेंस बढ़ता जा रहा है। शो के लेटेस्ट प्रोमो में प्रतियोगियों को नॉमिनेशन टास्क दिया गया है। इसमें घर वाले सभी प्रतियोगियों पर आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेल रहे हैं। नेहला चुडासमा ने जीशान कादरी को नॉमिनेट किया, तो नीलम गिरी पर भड़कतीं भी नजर आ रही हैं। चलिए जानते हैं बाकी सदस्यों ने किसे किया नॉमिनेट।

बिग बॉस ने दिया नॉमिनेशन टास्क: बिग बॉस 19 के आगामी एपिसोड का प्रोमो रिलीज हुआ है। इसमें सभी प्रतियोगियों के नाम की एक नाव है। अनाउंसमेंट होती है कि जिसके कस्ती में तीन मिसाइल लग गई, वो घर से बाहर होने के लिए नॉमिनेट हो जाएगा। इसके बाद कंटेस्टेंट्स नॉमिनेशन के लिए अपने विरोधियों का नाम लेते हैं।

नेहल ने जीशान को किया नॉमिनेट: प्रोमो में दिखता है कि नेहल चुडासमा, जीशान कादरी को नॉमिनेट करती हैं। साथ ही कहती हैं, 'जीशान कादरी थर्ड लेवल के बैकफुट पर खलते हैं।' इसके आगे उन्होंने नीलम गिरी को कहा, 'आपमें अपना दिमाग नहीं है नीलम।'

फरहान ने अशनूर का लिया नाम: फरहाना भट्ट ने अशनूर कौर का नाम लिया। वहीं नीलम गिरी ने कहा, 'अभिषेक जबरदस्ती झगड़ा करना चाहते हैं।' इसके अलावा अमाल मलिक ने कहा, कुनिका जी असली मास्टरमाइंड हैं।' आपको बताते चलें कि पिछले वीकएंड वार में आवेज दरबार घर से बाहर हो गए थे। इसके अलावा सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के मुताबिक, इस हफ्ते के नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स में अमाल, नेहल, कुनिका, अशनूर, नीलम, प्रणित मोरे, तान्या मित्तल और जीशान हैं।

वीकएंड के बाद सुस्त हुई ओजी की कमाई

इन दिनों सिनेमाघरों में बॉलीवुड फिल्म जॉली एलएलबी 3 के साथ साउथ की फिल्म दे कॉल हिम ओजी चल रही है। वीकएंड पर दोनों फिल्मों ने अच्छा किया था। इसके बाद दोनों फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में गिरावट आई है। आइए जानते हैं पवन कल्याण की फिल्म दे कॉल हिम ओजी और अक्षय-अरशद की फिल्म जॉली एलएलबी 3 ने कितना कलेक्शन किया है। साउथ के अभिनेता पवन कल्याण की फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। रिलीज से पहले फिल्म की काफी चर्चा थी। रिलीज होने के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। पहले दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 63.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रविवार को फिल्म का कलेक्शन 18.5 करोड़ रुपये रहा। सोमवार को फिल्म का कलेक्शन 7.50 करोड़ रुपये रहा। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 147.70 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। 'दे कॉल हिम ओजी' की कहानी एक गैंगस्टर पर आधारित है, जो कई वर्षों से लापता रहता है। फिल्म के निर्देशक सुजीत हैं। इसमें पवन कल्याण के अलावा इमरान हाशमी, श्रीया रेड्डी, प्रियंका अरुलमोहन, अर्जुन दास और प्रकाश राज ने अभिनय किया है। इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने साउथ की फिल्म में डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने विलेन का रोल किया है। कोर्टरूम ड्रामा जॉली एलएलबी 3 ने वीकएंड पर रफ्तार पकड़ी थी। हालांकि अब इसकी कमाई में दोबारा गिरावट आई है। ओपनिंग डे पर 12.5 करोड़ की कमाई करने वाली इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 74 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। दूसरे रविवार को फिल्म की कमाई 6.25 करोड़ रुपये रही। सोमवार को फिल्म ने 3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। 11 दिनों में फिल्म ने कुल 93.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यह फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

शादी के 20 साल बाद अलग हुए निकोल किडमैन-कीथ अर्बन, कई दिनों से रह रहे अलग

हॉलीवुड अभिनेत्री निकोल किडमैन और ऑस्ट्रेलियाई संगीतकार कीथ अर्बन लगभग 20 साल बाद एक-दूसरे से अलग हो गए हैं। दोनों के दो बच्चे हैं। संडे रोज 17 और फेथ मार्गरेट 14। किडमैन के पास टॉम क्रूज के साथ दो गोद लिए हुए बच्चे भी हैं। निकोल किडमैन और कीथ अर्बन की मुलाकात साल 2005 में हुई थी। दोनों ने 25 जून 2006 को ऑस्ट्रेलिया में शादी की थी। गर्मियों से अलग थे कलाकार: टीएमजेड के मुताबिक निकोल किडमैन और कीथ अर्बन गर्मियों से अलग रह रहे थे। बताया जाता है कि निकोल किडमैन अलग नहीं होना चाहती थीं। दोनों कलाकार एक दूसरे से क्यों अलग हुए, इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। किडमैन और अर्बन दोनों ऑस्ट्रेलिया में पले-बढ़े हैं। दशकों तक दोनों की जिंदगी में उतार चढ़ाव आए। शादी के कुछ महीनों बाद, अर्बन ने नशे और शराब की लत से छुटकारा पाने के लिए अपना इलाजा कराया। निकोल किडमैन और कीथ अर्बन ने कहा था कि नशे की लत से छुटकारा पाने के संघर्ष ने उनके रिश्ते को बेहतर किया था। एक बार कीथ अर्बन ने अपनी पत्नी की सार्वजनिक तौर से तारीफ की थी। उन्होंने कहा था अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे एहसास होता है कि निक ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। टॉम क्रूज से हुई पहली शादी: निकोल किडमैन ने पहले अभिनेता टॉम क्रूज से शादी की थी। दोनों 10 साल से ज्यादा समय तक साथ रहे। दोनों ने बच्चों को गोद लिया था। 2001 में उनकी शादी टूट गई। निकोल किडमैन और कीथ अर्बन का काम-निकोल किडमैन एक ऑस्ट्रेलियन-अमेरिकन अभिनेत्री हैं। उन्हें फिल्म %बेबीगर्ल% के लिए जाना जाता है। कीथ अर्बन एक ऑस्ट्रेलियन-अमेरिकन गायक और गीतकार हैं। दोनों सितारे अपने-अपने क्षेत्र में माहिर हैं। अपने काम के लिए उन्होंने कई अवॉर्ड अपने नाम किए हैं। काम को लेकर वर्षों से दोनों एक-दूसरे का सपोर्ट करते रहे हैं।

देशभक्ति और बहादुरी का अनुभव कीजिए 'स्काई फोर्स' के प्रीमियर के साथ, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर

मुंबई। पड़ोसियों को बताना होगा कि हम भी घुसकर मार सकते हैं.. तैयार हो जाइए रोमांच से भरे अनुभव के लिए, क्योंकि ज़ी सिनेमा लेकर आ रहा है 'स्काई फोर्स' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर। यह फिल्म हमारे वीर सैनिकों के अटूट साहस और बलिदान को सलाम करती है। भारत की पहली और सबसे साहसिक एयर स्ट्राइक की सच्ची घटना से प्रेरित यह कहानी सेना के उस जज़्बे और पराक्रम को सामने लाती है, जो अब तक अनसुनी थी। देखिए 'स्काई फोर्स' का वर्ल्ड प्रीमियर, रविवार 5 अक्टूबर रात 8 बजे सिर्फ ज़ी सिनेमा पर।

जियो स्टूडियोज़ और मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और संदीप केवलानी एवं अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित 'स्काई फोर्स' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि भारत माँ के वीर सपूतों को दिल से दी गई सलामी है। अक्षय कुमार और वीर पहड़िया के साथ सारा अली खान, निमरत कौर और शरद केलकर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रोमांचक हवाई एक्शन के साथ गहरी भावनाएँ शामिल हैं, जो साहस, नि:स्वार्थता और राष्ट्रीय गौरव को उनके सच्चे रूप में दर्शाती हैं।

अक्षय कुमार जब भी देशभक्ति पर आधारित फिल्म लेकर आते हैं, उनकी सच्चाई और समर्पण दर्शकों से एक गहरा रिश्ता बना देती है। 'स्काई फोर्स' के साथ, देश के समस्त परिवार एक ऐसी दास्तान देखेंगे, जो जांबाज़ी और बलिदान को दिल छू लेने वाले अंदाज़ में पेश करती है।

1965 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म हमें उस समय में ले जाती है, जब पाकिस्तान के हवाई हमलों के जवाब में भारतीय वायु सेना ने निडर और निर्णायक कदम उठाए थे। इस साहसिक मिशन में हमारे वीर पायलटों ने पाकिस्तान के सबसे सुरक्षित और कड़ी सुरक्षा वाले सरगोधा एयर बेस पर प्रहार किया था। यह एयर स्ट्राइक इतिहास में दर्ज हो गई और भारतीय वायु सेना की अटल वीरता का प्रमाण बनी। 'स्काई फोर्स' इसी सच्ची घटना से प्रेरणा लेकर हमारे नायकों की हिम्मत, निष्ठा और देशभक्ति को उजागर करती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए अक्षय कुमार ने कहा, विंग कमांडर कुमार ओम आहूजा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक रहा। मेरे पिता सेना में थे, इसलिए जब भी मैं वर्दी पहनता हूँ, तो अपने भीतर एक अलग ही शक्ति और जिम्मेदारी महसूस करता हूँ। मैंने अलग-अलग भूमिकाओं में वर्दी पहनी है, लेकिन स्काई फोर्स पहला मौका था, जब मुझे भारतीय वायु सेना की वर्दी पहनने का गौरव मिला। यह अनुभव मेरे जीवन का सबसे खास पल रहा। अपने डेब्यू को लेकर वीर पहड़िया कहते हैं, प्रसिद्ध युद्ध नायक ए बी देवय्या का किरदार निभाना मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। दर्शकों ने थिएटर रिलीज़ के दौरान मुझे और फिल्म को जितना प्यार दिया, उसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। अब मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ कि लोग इसे ज़ी सिनेमा पर देखें।

अक्षय कुमार के बारे में उन्होंने कहा, अक्षय सर कमाल के हैं, वे बेहद मिलनसार हैं और शूटिंग के दौरान हमेशा इस बात के लिए तैयार रहते थे कि किस तरह से किसी सीन को और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने गहरे भावनात्मक दृश्यों को भी सहज और स्वाभाविक बना दिया। उनके साथ वर्कआउट करना अपने आप में एक शानदार अनुभव था; 108 पुल-अप्स, 108 पुश-अप्स, 108 डिप्स-उनकी ऊर्जा किसी भी 20 साल के युवक को मात दे सकती है। उनसे सीखना प्रेरणादायक भी था और विनम्र अनुभव भी, न सिर्फ एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक इंसान के रूप में भी।

सारा अली खान ने, स्काई फोर्स में अपने किरदार 'गीता' के बारे में कहा, गीता का किरदार निभाने के लिए मुझे बेहद गहराई से जुड़े रहना पड़ा, क्योंकि उसका सफर बड़ा नाजुक था। मैंने उसकी ताकत, उम्मीद और सहनशीलता को पूरी तरह से निभाने की कोशिश की। मैंने काफी समय स्क्रिप्ट के साथ बिताया, ताकि मैं गीता के जीवन के उन महत्वपूर्ण पल, जो उसकी यात्रा को परिभाषित करते हैं, उन्हें पूरी गहराई से महसूस कर सकूँ।

इस दमदार सिनेमाई अनुभव को बिल्कुल मिस न करें, जहाँ होगा देशभक्ति, साहस और वीरता का जश्न। देखना न भूलें स्काई फोर्स का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर, 5 अक्टूबर को, रात 8 बजे, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर।

देसी गर्ल पहुंचीं मुंबई, प्रियंका चोपड़ा के एयरपोर्ट लुक पर फिदा हुए फैंस

देसी प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड गईं तो वहीं की होकर रह गईं। लेकिन वक्त निकालकर वह इंडिया आती रहती हैं। सोमवार के दिन प्रियंका चोपड़ा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। इसके बाद से ही प्रियंका स्वैग, ड्रेसअप सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। मुंबई एयरपोर्ट पर प्रियंका चोपड़ा को जब फैंस ने देखा तो साथ में फोटो क्लिक करवाने के लिए दौड़ चले आए। प्रियंका चोपड़ा ने भी फैंस को निराश नहीं किया। लगभग सभी के साथ फोटो क्लिक करवाए। पैपराजी को भी प्रियंका चोपड़ा ने जमकर पोज दिए। इन्हीं बातों के बीच प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी चर्चा में रहा।

फैंस को भा गया प्रियंका का फैशन

सेंस सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा के एयरपोर्ट लुक वाले कई फोटोज वायरल हैं। इन वीडियो में वह को-ऑर्ड सेट पहने दीं। को-ऑर्ड सेट के साथ टैंक टॉप प्रियंका ने पहना हुआ है। साथ ही नेवल पियर्सिंग भी साफ नजर आ रही है। अपना बैग लिए जब वह एयरपोर्ट से बाहर निकलीं तो उनका स्वैग देखते ही बनता था।

यूजर्स ने भी देसी गर्ल के लुक पर दिया रिएक्शन

प्रियंका चोपड़ा के लुक पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी कमेंट किए हैं। कई यूजर्स ने उनके लिए हार्ट, फायर इमोजी सोशल मीडिया पोस्ट पर शेयर किए हैं। वहीं कुछ यूजर्स प्रियंका चोपड़ा का स्वागत करते दिखे। वह प्रियंका के भारत आने पर काफी खुश दिखे।

सिवाच का विजयी गोल, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने आस्ट्रेलिया को हराया

कैनबरा, एजेंसी। कनिका सिवाच के गोल की मदद से भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दौरे के तीसरे मैच में आस्ट्रेलिया अंडर 21 टीम को 1-0 से हराया। सिवाच ने 32वें मिनट में विजयी गोल दागा। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारत ने तीसरे क्वार्टर के

शुरूआती मिनटों में सिवाच के गोल के दम पर बढ़त बना ली जो अंत तक कायम रही। भारत को इससे पहले आस्ट्रेलिया की अंडर 21 टीम ने दो मैचों में हराया लेकिन इस जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास लौटा होगा। उसे अब आस्ट्रेलिया प्रीमियर हॉकी वन लीग खेलने वाले क्लब कैनबरा चिल से अगले दो मैच खेलने हैं।

Asia Cup 2025 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अभिषेक शर्मा को मिली 33,60,658 रुपये की Haval H9 SUV

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से सबका दिल जीतने वाले अभिषेक शर्मा को टूर्नामेंट के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के खिताब से नवाजा गया। इस शानदार उपलब्धि पर उन्हें इनाम में Haval H9 एसयूवी मिली। यह SUV न सिर्फ अपने रफ एंड टफ लुक के लिए जानी जाती है, बल्कि इसमें दिए गए फीचर्स और टेक्नोलॉजी इसे एक लग्जरी ऑफ-रोडिंग एसयूवी बनाते हैं।

डेनिस ने दो विश्व रिकॉर्ड के साथ एफ 40 गोला फेंक स्पर्धा में कायम किया दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तटस्थ पैरालंपिक एथलीट (एनपीए) डेनिस ग्नजडिलोव ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन सोमवार को यहां एफ40 गोला फेंक में दो बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के साथ स्वर्ण पदक जीता। रूस के 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने शुरुआती प्रयास में 10.66 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसके बाद के उनके चारों प्रयास स्वर्ण पदक के लिए काफी थे। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 11.85 मीटर की दूरी के साथ पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा और फिर अपने पांचवें प्रयास में इसमें सुधार करते हुए 11.92 मीटर की दूरी हासिल की। तोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता ग्नजडिलोव का यह तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है। यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस और बेलारूस पर प्रतिबंध के कारण इन दोनों देशों के खिलाड़ी एनपीए के तहत प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। छोटे कद के खिलाड़ियों की इस स्पर्धा में पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेइरो (11.31 मीटर) और इराक के गर्राह तनायश (10.86 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद...

कप्तान सूर्यकुमार ने भारतीय सेना के नाम की मैच फीस

दुबई, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप टूर्नामेंट के सभी मुकाबलों की अपनी फीस भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले में पीड़ित परिवारों को दान देने का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम इंडिया को खिताब जीतने पर बधाई देते हुए भारत-पाकिस्तान मैच के फाइनल की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से करते हुए लिखा, खेल के मैदान में ऑपरेशन सिंदूर। नतीजा वही, भारत की जीत। हमारे खिलाड़ियों को बधाई। रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में पाकिस्तानी टीम शानदार शुरुआत के बावजूद 19.1 ओवरों में महज 146 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान ने सर्वाधिक 57 रन बनाए, जबकि फखर जमां ने 46 रन की पारी खेली। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट झटके, जबकि जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने 2-2 शिकार किए। जवाब में भारत ने 19.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम किया। टीम इंडिया की ओर से तिलक वर्मा ने 53 गेंदों में नाबाद 69 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 33 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ को सर्वाधिक 3 विकेट हाथ लगे। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत की जीत के बाद काफी बवाल देखने को मिला। खिताब अपने नाम करने के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

मैच खत्म होने के करीब दो घंटे तक ड्रामा चला। नकवी ट्रॉफी के साथ स्टेज पर खड़े थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार, फैसला लिया गया कि भारतीय टीम अवॉर्ड नहीं लेगी।

अगर नकवी सिर्फ एसीसी चीफ होते, तो भारत ट्रॉफी स्वीकार कर लेता: दानिश कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ट्रॉफी वितरण विवाद पर पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने अपनी राय रखी है। कनेरिया के मुताबिक, अगर मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार से सीधे तौर पर जुड़े होने के बजाय सिर्फ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष होते, तो टीम इंडिया उनसे ट्रॉफी स्वीकार कर लेती। कनेरिया ने कहा, मोहसिन नकवी पाकिस्तान सरकार में संघीय मंत्री हैं। अगर वह सिर्फ एसीसी प्रमुख या पीसीबी प्रमुख होते, तो भारत उनसे ट्रॉफी स्वीकार कर लेता, लेकिन चूंकि वह सीधे तौर पर पाकिस्तान सरकार से जुड़े हैं, इसलिए भारतीय खिलाड़ी उनसे दूर रहे। पूर्व लेग स्पिनर ने सुझाव दिया है कि नकवी को स्टेज से हट जाना चाहिए था। इसके बजाय किसी अन्य अधिकारी को समारोह की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, मोहसिन को यह काम किसी और को सौंप देना चाहिए था। उनके कई चेले वहां जरूर मौजूद रहे होंगे। उल्लेखनीय है कि भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, समारोह से पहले भारतीय टीम प्रबंधन ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा जताई थी, लेकिन नकवी ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। काफी देरी बाद जब पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ, तो भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने मंच पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों से अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त किए।

टीम इंडिया को बीसीसीआई देगा 21 करोड़ रुपये इनाम, कहा-

शानदार प्रदर्शन पर बहुत गर्व है

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के बीसीसीआई की तरफ से 21 करोड़ रुपये के इनाम का ऐलान किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि एशिया कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम और उसके सपोर्ट स्टाफ को टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 21 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह एक असाधारण जीत थी और इसलिए जश्न के तौर पर बीसीसीआई ने एशिया कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए 21 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। सैकिया ने कहा, वह धनराशि वितरित की जाएगी और यह हमारी टीम, भारतीय क्रिकेट बोर्ड और भारत के लोगों के लिए एक बड़ा पुरस्कार है। हमें दुबई में अपने क्रिकेटरों और सहयोगी

स्टाफ के शानदार प्रदर्शन पर बहुत गर्व है। एशिया कप फाइनल मैच में पाकिस्तान को हराने के बाद एक नाटकीय और विचित्र घटनाक्रम में चैंपियन टीम इंडिया को एशिया कप ट्रॉफी प्रदान नहीं की गई क्योंकि उसने पाकिस्तान के मंत्री और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों इसे लेने से इनकार कर दिया।

पुरस्कार वितरण समारोह काफी विलंब से शुरू हुआ लेकिन सिर्फ व्यक्तिगत पुरस्कार दिए गए। भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था लेकिन नकवी मंच पर डटे रहे। आखिर में विजयी टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई और ऐसा शायद क्रिकेट के मैदान पर पहली बार हुआ होगा। विलंब के बावजूद भारत के कई प्रशंसक मैदान में रूके रहे और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा जब मंच पर जाने लगे तो उनकी काफी हूटिंग हुई। भारतीय टीम अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से ट्रॉफी लेने को तैयार थी जो नकवी के साथ मंच पर थे लेकिन नकवी ने ऐसा होने नहीं दिया। नकवी पुरस्कार वितरण समारोह शुरू होने से पहले एक तरफ खड़े थे और भारतीय खिलाड़ी 15 गज के भीतर थे । नकवी ने अपनी जगह पर ही डटे रहे जिससे समारोह में विलंब हुआ। समझा जाता है कि भारतीय टीम प्रबंधन ने पूछा था कि विजेता की ट्रॉफी कौन देगा और एशियाई क्रिकेट परिषद ने आपसी सलाह मशविरा शुरू कर दिया था क्योंकि उसे पता था कि भारतीय टीम नकवी से ट्रॉफी नहीं लेना चाहेगी। नकवी के मंच पर आने के बाद भारतीय प्रशंसकों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाने शुरू कर दिए।

● राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

मणिकांता ने 100 मीटर में स्वर्ण पदक जीता

रांची, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मणिकांता होबलीधर ने रविवार को राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बारिश से प्रभावित दिन में शानदार प्रदर्शन किया और पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का खिताब 10.19 सेकंड में जीतकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। 10.19 सेकंड किसी भी भारतीय धावक द्वारा अब तक का दूसरा सबसे तेज समय है। मणिकांता का विजयी समय अनिमेष कुजूर के 10.18 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से केवल 0.01 सेकंड कम था। दौड़ के बाद, उन्होंने स्वीकार किया कि गीले ट्रैक ने उनके दौड़ने की गति में बाधा डाली। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य 10.10 मीटर का समय निकालना था, लेकिन गीले ट्रैक ने मेरी गति धीमी कर दी। मेरा लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में व्यक्तिगत पदक जीतना है। ऊंची कूद की एथलीट गोबिका, जिन्होंने पहले ही 1.79 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीत लिया था, को और

ऊंचा स्थान हासिल करने के प्रयास में दाहिने घुटने में गंभीर चोट लग गई। दर्द से कराहते हुए उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा, जिससे दर्शक स्तब्ध रह गए।

महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में, स्नेहा एस.एस. (11.62 मीटर) ने सुदेशना शिवंकर (11.64 मीटर) और अभिन्या राजराजन (11.67 मीटर) को कड़े मुकाबले में पीछे छोड़ दिया। अभिन्या कमर की समस्या बढ़ने के बाद दर्द से कराहते हुए गिर पड़ीं। उन्हें ट्रैक से बाहर ले जाया गया। ओलंपियन क्वार्टर-मिलर राजेश रमेश ने अपनी दौड़ पूरी करने का सही समय निकाला और 80 मीटर की दूरी पर संतोष टी. को पीछे छोड़ते हुए सीजन के सर्वश्रेष्ठ 45.75 सेकंड के साथ पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। 110 मीटर बाधा दौड़ में, मानव आर. ने तेजस शिरसे की अनुपस्थिति में अपना खिताब बरकरार रखा और 13.97 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

एशियाई ए[ ]टिक्स चैंपियनशिप में श्रीहरि का शानदार प्रदर्शन, 200 मीटर फ्रीस्टाइल में जीता रजत

अहमदाबाद, एजेंसी। श्रीहरि ने एक मिनट 48.47 सेकेंड का समय निकाला और वह चीन के 17 वर्ष के शू हेइबो (एक मिनट 46.83 सेकेंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। जापान के हिनाता एंदो को कांस्य पदक मिला। भारत के अनुभवी तैराक श्रीहरि नटराज ने 11वीं एशियाई एक्वाटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन रविवार को शानदार प्रदर्शन किया। श्रीहरि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीता। श्रीहरि ने एक मिनट 48.47 सेकेंड का समय निकाला और वह चीन के 17 वर्ष के शू हेइबो (एक मिनट 46.83 सेकेंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। जापान के हिनाता एंदो को कांस्य पदक मिला। दो बार के ओलंपियन नटराज ने सुबह दूसरी हीट में दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। भारत के अनीश गौड़ा चौथी हीट में थे लेकिन चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में नहीं पहुंच सके। नटराज ने उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों में नौ स्वर्ण और एक रजत पदक जीते थे।

तिलक वर्मा बोले- जीत देश को समर्पित, चक दे इंडिया

पाकिस्तानी कप्तान ने कहा- हार पचाना मुश्किल, उनके गेंदबाजों ने मैच छीन लिया

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप 2025 की अपनी मैच फीस आर्म्ड फोर्सेस और पहलगाम हमले के पीड़ितों को देने का फैसला किया है। वहीं, पाकिस्तान को फाइनल हराने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच भारत के तिलक वर्मा ने कहा, यह जीत देश को समर्पित है। चक दे इंडिया। यह जीवन की बेस्ट पारी रही।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा, मैंने ज्यादा भारत-पाक मैच नहीं खेले, लेकिन आज प्रेशर फील हुआ।विनिंग बाउंड्री जमाने वाले रिंकू सिंह बोले, मुझे एक ही बॉल मिली, जिस पर मैंने चौका लगाया। टीम के लिए सबसे जरूरी वही था। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा, यह हार पचा पाना मुश्किल है, लेकिन गेंदबाजों ने बेहतरीन बॉलिंग की। हमें बैटिंग पर ज्यादा काम करने की जरूरत है। मेरा फोकस मैच फिनिश करने पर था- तिलक तिलक ने कहा, प्रेशर बनने लगा था, लेकिन मैं पिच पर खड़े रहकर

मैच फिनिश करने पर ध्यान दे रहा था। उनके गेंदबाज पेस में वैरिएशन कर रहे थे, मैं बस शांत रहकर देश के लिए मैच फिनिश करने पर फोकस कर रहा था। सैमसन की पारी टीम के लिए अहम थी। दुबे की बैटिंग ने भी काम आसान कर दिया। हमने हर पोजिशन पर बैटिंग करने के लिए खुद को तैयार रखा है। गौती भाई ने कहा कि किसी भी नंबर पर बैटिंग करने के लिए तैयार रहो। मैं किसी भी नंबर पर बैटिंग के लिए रेडी था, मैं खुद पर भरोसा रख रहा था। मैं धीमी पिच पर प्रैक्टिस कर रहा था, ताकि मुश्किल सिचुएशन में परफॉर्म कर सकूं। स्वीप शॉट्स और सिंगल लेना मेरे काम आया। यह पारी बहुत स्पेशल है, लाइफ की बेस्ट पारी। यह हर भारतीय के लिए है। चक दे इंडिया।

पाकिस्तानी कप्तान बोले- हार पचाना मुश्किल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा, हार को पचा पाना मुश्किल है, हम बैटिंग में अच्छी तरह फिनिश नहीं कर सके। बॉलिंग में हमने अपना सबकुछ दिया।

संक्षिप्त खबरें

पैरोल पर बाहर आने के बाद फरार हुआ कैदी

गुरुग्राम। वर्ष 2018 में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या करके शव खुर्द-बुर्द करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक कैदी पैरोल पर बाहर आने के बाद फरार हो गया। भोंडसी जेल के सहायक अधीक्षक की शिकायत पर पुलिस ने भोंडसी थाने में गुड कंडक्ट प्रिजनर (टेंपररी रिलीज) एक्ट की धारा 9(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। भोंडसी जेल के सहायक अधीक्षक अमरजीत ने शिकायत में बताया कि रेवाड़ी के कसौला थाना अंतर्गत वर्ष 2018 में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करके उसकी हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने मामले में आईपीसी की धारा 376ए, 302, 201 व 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी सन्नी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। मामला अदालत में चला तो पुलिस द्वारा अदालत में पेश किए गए तथ्यों के आधार पर आरोपी सन्नी को आजीवन कारावास व 15 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुना दी थी। आरोपी सन्नी को रेवाड़ी से गुरुग्राम की भोंडसी जेल में भेजा गया था और इसके बाद से ही वह जेल में बंद था। भोंडसी जेल के सहायक अधीक्षक अमरजीत ने पुलिस को बताया कि कैदी सन्नी को 10 सप्ताह की पैरोल पर रिहा किया गया था और पैरोल खत्म होने के बाद पिछले दिनों वापस जेल आना था, लेकिन वह जेल नहीं आया और पैरोल पर जाने के बाद फरार हो गया।

डेंगू के दो नए मरीज मिले, अस्पताल में इलाज जारी

गुरुग्राम। विभिन्न इलाकों में बारिश के बाद डेंगू के मरीजों में बढ़ोतरी हो गई है। सितंबर माह में छह डेंगू के मरीज मिले हैं। जिले में पहले से ही डेंगू व मलेरिया के कई मरीज मिल चुके हैं। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के दो नए मरीजों की पुष्टि की है। दोनों मरीजों का इलाज नागरिक अस्पताल में जारी है। वहीं एंटी लार्वा टीम को सोमवार को 166 घरों में पॉजिटिव लार्वा मिला। इस दौरान टीम ने 35 घरों को नोटिस थमाया है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के अनुसार, वर्तमान में डेंगू मरीजों की संख्या 55 हो गई है। साथ ही इस वर्ष अब तक मलेरिया के आठ मरीज सामने आ चुके हैं। बारिश के चलते मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। जिले में अब तक डेंगू नियंत्रण के लिए 16,51,308 घरों में रैपिड फीवर मास सर्वे किया जा चुका है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ जयप्रकाश ने बताया कि सोमवार को 7397 घरों में विभिन्न टीमों ने दौरा किया। शहरी क्षेत्र में 3956 और ग्रामीण क्षेत्रों में 3441 घरों में लार्वा की जांच की गई। टीम ने सोमवार को कुल 1018 पट्टिकाएं तैयार कीं।

शगुन योजना में 27 लाभार्थियों को मिली 1.25 लाख की सहायता राशि

गुरुग्राम। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जिला कल्याण कार्यालय और अंत्योदय विभाग, गुरुग्राम की ओर से सेवा पखवाड़ा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पौधरोपण और भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। जिला कल्याण अधिकारी लाल चंद ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, डॉ. भीमराव आंबेडकर मेधावी छात्र योजना, मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना, पंचायत प्रोत्साहन योजना तथा अत्याचार निवारण एवं सहायता योजना जैसे कार्यक्रम समाज हित में लागू किए गए हैं। कार्यक्रम में अंतरजातीय विवाह शगुन योजना के तहत 27 लाभार्थियों को सवा-सवा लाख रुपये की सहायता राशि तीन वर्ष के लिए सावधि जमा के रूप में प्रदान की गई। इस मौके पर लाभार्थियों ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आर्थिक सहयोग उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। कार्यक्रम में पार्षद धर्मबीर, पिंकी यादव, डीपीएम रोहताश सरोहिया, बलराम चक्रपुरिया, विक्रम पार्षद, सुरेखा चौहान पार्षद, नरेश नम्बरदार, रोहित मदान, राजकुमार झाड़सा, राजेश कुमार, रिछपाल तथा विभिन्न गांवों से सरपंच शामिल हुए।

बरसाती नाले को ध्यान में रखकर तय होगा मेट्रो कॉरिडोर

गुरुग्राम। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण में सेक्टर नौ से साइबर सिटी तक निर्माण में आ रही तकनीकी समस्याओं को जल्द दूर कराया जाएगा। इसके लिए गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के अधिकारियों के साथ बैठक होनी है। कॉरिडोर में आ रहे बरसाती नाले लेग-एक व दो के साथ अंडरपास के निर्माण पर विस्तार से चर्चा कर इसे फाइनल किया जाएगा।

जीएमआरएल की ओर से दूसरे चरण में मिट्टी की जांच और जीपीआर सर्वे चल रहा है। कॉरिडोर में जीएमडीए के पांच अंडरपास का निर्माण जीएमआरएल की ओर से किया जाना है। ऐसे में इन अंडरपास को लेकर जीएमडीए से विस्तृत चर्चा की जानी है। जीएमडीए यदि कोई बदलाव चाहता है या पहले के आधार पर निर्माण होगा तो ऐसे में इन अंडरपास के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की जानी है। इसी आधार पर सिस्ट्रा एजेंसी अंडरपास के डिजाइन को अंतिम रूप देगी।

सम्मान, अवसर और अधिकार: रेखा का एलान, जल्द बनेगा ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड; किन्नर समुदाय बनेगा आत्मनिर्भर

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि दिल्ली सरकार जल्द ही ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड का गठन करेगी, जिसमें इस समुदाय के प्रतिनिधि और कार्यकारी सदस्य दोनों शामिल होंगे। इस बोर्ड से उनकी समस्याओं को समझकर उनके कल्याण के लिए योजनाएं बनाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी नेशनल ट्रांसजेंडर अवाड्र्स कार्यक्रम में दी।

अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर अखाड़ा की ओर से अर्धनारीश्वर थीम पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2019 में लागू किए गए ट्रांसजेंडर एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानून किन्नर समुदाय की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास केवल एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का सच्चा संकल्प है। ये समाज के हरएक वर्ग को समान अवसर देने पर आधारित है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार किन्नर समुदाय की समस्याओं को समझेगी और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाएगी।

उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किन्नरों को समान सम्मान, अवसर और अधिकार मिलें, ताकि वे आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण कर सकें। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, विधायक शिखा राय सहित देशभर से आए प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के महत्वपूर्ण लोग मौजूद रहे।

स्त्री और पुरुष दोनों के बिना संपूर्णता नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्धनारीश्वर का स्वरूप हमें यह संदेश देता है कि स्त्री और पुरुष दोनों के बिना संपूर्णता संभव नहीं है। इसी संतुलन और सामंजस्य में मानवता का वास्तविक स्वरूप छिपा है।

सौरभ भारद्वाज का यू-टर्न: सूर्या के मैच फीस दान के बाद बोले AAP नेता- पहलगाम के पीड़ितों को पूरी कमाई दे BCCI

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने हाल ही में एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैचों का विरोध करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव को चुनौती दी। उन्होंने कहा था कि सूर्य कुमार यादव, अगर तुममे हिम्मत हो तो मैच फीस पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को दान कर दो तो हम भी मान जाएगें। एशिया कप 2025 जीत के बाद भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज के चैलेंज का जवाब देते हुए अपनी सारी मैच फीस भारतीय सेना को देने का एलान किया। सूर्यकुमार के इस कदम के बाद सौरभ भारद्वाज का नया बयान सामने आया है। उन्होंने अपने पिछले बयान से पलटते हुए फोकस को सूर्य कुमार से हटाकर केंद्र सरकार, बीसीसीआई और आईसीसी पर डाल दिया। अब सौरभ भारद्वाज ने अपने बयान पर यूटर्न लेते हुए कहा कि यह अच्छा कदम है, लेकिन असली संवेदना दिखाने के लिए केंद्र सरकार और बीसीसीआई/आईसीसी को एशिया कप के भारत-पाक मैचों से हुई कुल कमाई को पहलगाम हमले 26 पीड़ित परिवारों को दान करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्रिकेटरों की व्यक्तिगत दान से काम नहीं चलेगा, बल्कि पूरे आयोजन की कमाई को पीड़ितों तक पहुंचाना जरूरी है। बीसीसीआई और आईसीसी को अपने विज्ञापन, टिकट, और टीवी ब्रॉडकास्टिंग से मिले सारे पैसे पीड़ितों तक पहुंचाने चाहिए। यही सच्चा सम्मान और देशभक्ति होगी। वहीं, सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और मंत्रियों ने एशिया कप में भारतीय कप्तान के पाकिस्तानी कप्तान और मंत्री से हाथ नहीं मिलाने का झूठ फैलाया, जबकि वीडियो सबूत इसके उलट साबित करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने देश को धोखा दिया और पहलगाम हमले की 26 विधवाओं के जख्मों पर नमक छिड़का। भारद्वाज ने कहा कि बीसीसीआई की कमाई 490 से 690 करोड़ रुपये तक बताई जा रही है। अगर यह रकम पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों में बांटी जाए तो हर परिवार को 19 से 25 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। आप नेता ने कहा कि शुरूआत में भारतीय कप्तान ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाया और कप रखकर फोटो खिंचवाई।

किशोर की मौत के मामले में कार चालक समेत दो गिरफ्तार

इंदिरापुरम। न्याय खंड प्रथम निवासी अंश कनौजिया (16) की सड़क हादसे में हुई मौत के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली के शाहदरा निवासी अंकित और इंदिरापुरम के कनावनी निवासी दुर्गेश हैं। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने शराब पीकर गाड़ी चलाने और ओवरटेक करने के दौरान बाइक में टक्कर लगने की बात कही है। पुलिस ने 29 सितंबर की दोपहर दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया। 26 सितंबर की देर रात अंश अपने दो दोस्तों के साथ दिल्ली के खिचड़ीपुर में होने वाली रामलीला देखकर घर लौट रहा था। एनएच नौ की सर्विस रोड पर कार की टक्कर लगने से उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में अंश गंभीर रूप से घायल हो गया था और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 27 सितंबर को परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए अभयखंड चौकी के सामने शव रखकर हंगामा भी किया था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि करीब 30-32 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने के बाद पुलिस टीम ने कार को ट्रेस किया। कार शाहदरा निवासी अंकित की निकली। वह वर्तमान में कनावनी क्षेत्र स्थित मकान में किरायेदार है। अंकित निजी अस्पताल के चिकित्सक की गाड़ी चलाने का काम करता है। वहीं, दुर्गेश भी एक निजी अस्पताल में सुरक्षा गार्ड है। पूछताछ में उसने बताया कि वह और दुर्गेश अपने एक परिचित को छोड़ने के लिए 26 सितंबर की रात दिल्ली गए थे।

काम पर रखने से मना किया तो कुक ने दी हत्या की धमकी

गुरुग्राम। एजेंसी के माध्यम से ट्रायल पर आए एक कुक (घरेलू सहायक) ने काम पर रखने से मना करने पर परिवार को 11 घंटे तक परेशान रखा। कुक ने पीड़ित महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने डीएलएफ फेज-1 थाने में एफआईआर दर्ज की है। ग्वाल पहाड़ी की एक सोसाइटी निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने मैडली नामक एक एजेंसी से कुक और घरेलू सहायिका के लिए कहा था। घरेलू सहायक व कुक को भेजे जाने से पहले एजेंसी को उनका सत्यापन कराने के लिए भी कहा था। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को एजेंसी की ओर से विजय नाम के कुक को ट्रायल के तौर पर भेजा गया था। विजय का काम देखने के बाद परिवार ने उसको काम पर रखने मना कर दिया। वहीं, एजेंसी ने कुक का पुलिस सत्यापन भी नहीं कराया था महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि जब उन्होंने विजय को काम पर रखने से मना किया तो उसने परेशान करना शुरू कर दिया। लगातार 11 घंटे तक आरोपी ने उन्हें कॉल करके, सोशल मीडिया पर और यूपीआई के माध्यम से मैसेज कर धमकी दी।

दिल्ली SI के साथ धोखाधड़ी: बिल्डर ने सब इंस्पेक्टर से 35 लाख ठगे, 40 लाख रुपये में फ्लैट देने का दिया झांसा

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस के एसआई मोहम्मद नसीम खान (50) को इमरान उर्फ इंशाअल्लाह नाम के बिल्डर ने 20 लाख रुपये सस्ते में कार पार्किंग और लिफ्ट के साथ 100 गज का फ्लैट दिलाने का झांसा देकर 35 लाख रुपये ठग लिए। निमार्णाधीन इमारत तैयार हुई तो सब इंस्पेक्टर को पता चला कि जिस बिल्डर ने उससे रकम ली है यह बिल्डिंग तो उसकी है ही नहीं। ठगी का अहसास होने पर जब उसने बिल्डर से रकम मांगी तो उसने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। सब इंस्पेक्टर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। वारदात में बिल्डर के दो साथी ताज मोहम्मद, सद्दाम सैफी भी शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक सब इंस्पेक्टर मो. नसीम खान दयालपुर थाने में दूसरी मंजिल पर एक कमरे में रहते हैं। थाने की ड्यूटी के दौरान इनकी मुलाकात मुस्तफाबाद के एक लोकल बिल्डर इमरान उर्फ इंशाअल्लाह से हुई। आरोपी ने उनसे जान पहचान बढ़ाई और बताया कि गली नंबर-6, भागीरथी विहार में वह 200 गज के प्लॉट पर 100-100 गज के फ्लैट बना रहा है। आरोपी ने साइट पर ले जाकर उसे दिखाया भी। आरोपी ने पीड़ित से कहा कि यदि वह निर्माण के समय ही एक फ्लैट बुक करा देंग तो वह 60 लाख का फ्लैट 40 लाख रुपये में दे देगा। पीड़ित आरोपी

के झांसे में आ गए। फ्लैट का एग्रीमेंट तैयार कर आरोपी ने 5-5 लाख कर 35 लाख रुपये अपने और ताज मोहम्मद और सद्दाम के खाते में ले लिए। 15 जनवरी 2025 तक बिल्डिंग को तैयार कर सौंपना था।

बिल्डिंग तैयार होने पर पीड़ित ने बाकी पैसे लेकर रजिस्ट्री कराने की बात की। इस पर आरोपी आनाकानी करने लगा। शक होने पर सच्चाई पता चली कि बिल्डिंग इमरान की नहीं किसी और की है। सब इंस्पेक्टर ने अपने ही थाने में तहरीर दी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय: एनसीवेब ने दाखिले के लिए स्पेशल कटऑफ की जारी, 4 अक्तूबर तक फीस का कर सकेंगे भुगतान

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) के केंद्रों में बीए और बीकॉम प्रोग्राम में दाखिला को लेकर सोमवार को स्पेशल कटऑफ जारी कर दी गई। इच्छुक उम्मीदवार फीस का भुगतान कर चार अक्तूबर तक दाखिला सुनिश्चित कर सकेंगे। एनसीवेब निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने कहा कि दाखिला के लिए स्पेशल कटऑफ जारी कर दी है। दोबारा से दाखिला का मौका देने पर अलग-अलग केंद्रों की 2800 खाली सीट के लिए 1200 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें एक हजार के आसपास सीट बीए प्रोग्राम की है।

उम्मीदवार दो अक्तूबर तक केंद्र में दाखिला के लिए आवेदन कर सकते है। केंद्र तीन अक्तूबर तक दाखिला संबंधी औपचारिकता को पूरा करेंगे। जबकि फीस भुगतान की आखिरी तारीख चार अक्तूबर है। यह दाखिला लेने का आखिरी का मौका है। उन्होंने बताया कि बीए प्रोग्राम में एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी की सीट खाली है। भगिनी निवेदिता कॉलेज, अदिती कॉलेज में सामान्य वर्ग की सीट खाली है। जबकि बीकॉम में अलग-अलग श्रेणी में दाखिला के लिए सीट उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि कोविड के बाद एक यह ट्रेंड सामने आया कि बीकॉम प्रोग्राम में पहले की तरह दाखिला नहीं हो पा रहे है। दोबारा से दाखिला पंजीकरण का मौका उन उम्मीदवार के लिए भी था

जिन्होंने अभी तक पंजीकरण नहीं किया था। स्पेशल ड्राइव के बाद भी कुछ केंद्रों में सीट खाली रह गई थी। उन सीटों को भरने के लिए दाखिला का अवसर दिया गया था। बता दें कि एनसीवेब के 26 केंद्रों में बीए और बीकॉम प्रोग्राम की कक्षाएं सप्ताहांत और अवकाश के दिन आयोजित होती है। इसमें मिरांडा हाउस और हंसराज कॉलेज जैसे नामचीन दूसरे कॉलेज भी शामिल है।

बीए से ज्यादा बीकॉम की सीटें खाली

बीए और बीकॉम प्रोग्राम में दाखिला के लिए कुल 15200 सीट है। इसमें लगभग दस हजार सीट बीए प्रोग्राम की है। बीए से ज्यादा बीकॉम प्रोग्राम की सीटें दाखिला के लिए खाली पड़ी है। हालांकि पिछली बार से इस वर्ष दाखिला को लेकर छात्रों में अच्छा उत्साह देखने को मिला।

ओपीडी में गर्मी और भीड़ से मरीज परेशान, पर्चा बनवाने में बहा पसीना

गाजियाबाद। एमएमजी अस्पताल की ओपीडी में इलाज कराने पहुंचे मरीजों को गर्मी और लंबी कतारों से परेशान होना पड़ा। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक सोमवार को ओपीडी में 2500 नए और 1200 पुराने मरीज पहुंचे। मरीजों की संख्या अधिक होने से पर्चा बनवाने में ही मरीजों को 30 से 35 मिनट तक लाइन में खड़ा रहना पड़ा, जिससे कई बुजुर्ग और बच्चे परेशान हो गए। सबसे अधिक भीड़ फिजिशियन की ओपीडी में देखने को मिली, जहां मरीजों की लंबी कतारें सुबह सात बजे से दोपहर एक बजे तक लगी रहीं। जिला एमएमजी अस्पताल और संजयनगर स्थित संयुक्त चिकित्सालय की ओपीडी में 3352 मरीजों ने इलाज के लिए पंजीकरण कराया। इनमें 1467 महिलाएं, 1357 पुरुष और 528 बच्चे शामिल थे। ओपीडी में आए 42 बच्चों समेत 387 लोग बुखार से पीड़ित थे। गंभीर रूप से बीमार 11 बच्चों समेत 19 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया। अन्य मरीजों का इलाज ओपीडी में करने के बाद घर पर आराम करने की सलाह डॉक्टरों ने दी। फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन ने बताया कि इस समय गर्मी से वायरल बुखार, जुकाम और शरीर में दर्द के अलावा उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन की परेशानी हो रही है। इनसे बचाव के लिए कटे हुए फल, बासी और बाहर का खाना खाने से बचें। नियमित योग करें और पर्याप्त नींद लें। बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से ही दवा लें और जांच जरूर कराएं।

चिपियाना निवासी 49 वर्षीय अनीता उच्च रक्तचाप का इलाज कराने सुबह 7:30 बजे अस्पताल पहुंचीं। पर्चा बनवाने के लिए वह करीब 40 मिनट तक लाइन में खड़ी रहीं। गर्मी में अचानक उन्हें चक्कर आ गया। मौके पर मौजूद स्टाफ ने उन्हें व्हीलचेयर की मदद से फिजिशियन के पास पहुंचाया, जहां उन्हें प्राथमिक इलाज दिया गया। अर्जुन नगर निवासी अमर जीत तेज बुखार होने पर ओपीडी में इलाज के लिए लाइन में लगे थे। पर्चा बनवाने के लिए उन्हें करीब आधा घंटा लाइन में लगना पड़ा।

संस्कृति, अध्यात्म और कला का संगम बने दुर्गा पूजा पंडाल

गुरुग्राम। गुरुग्राम के दुर्गा पूजा पंडालों में सामूहिक पुष्पांजलि, महाभोग और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखने लोग उमड़ रहे हैं। पूजा पंडालों में बंगाली परिवार दिनभर जुटे रहते हैं। पंडालों की भव्यता के बीच लोग सेल्फी ले रहे हैं। आरती के बाद श्रद्धालु धुनुची नृत्य करने में जुट रहे हैं। पंडालों के साथ लगे व्यंजनों के स्टॉल में भी खूब चहल पहल है। दुर्गा पूजा पंडाल संस्कृति, अध्यात्म और कला का संगम बन गए हैं।

रविवार को सेक्टर चार के सामुदायिक भवन में कलिंगा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा लगाए गए पूजा पंडाल में सोमवार को मूर्ति को अनावरण किया गया। यहां ओडिशा की शैली में सप्तमी की पूजा की गई। इसके पहले रविवार को यहां बेलबरन किया गया था। बिल्व को मां दुर्गा मानकर उनकी पूजा की गई।

सेक्टर 69 स्थित ट्यूलिप वायलेट सोसाइटी के ट्यूलिप बांगिया क्लब ने दुर्गा पूजा का आयोजन किया। पूजा समिति से जुड़े हर्ष वर्धन, हेम पांडेय, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि अमिताभ सरकार, अनिल

अरोड़ा, दीपायन और राहुल ने पूजा के उद्घाटन सत्र में मुख्य भूमिका निभाई।

सेक्टर 15 पार्ट टू स्थित सामुदायिक भवन में पूर्वापल्ली दुर्गा बाड़ी पूजा समिति की पूजा में महाभोग का वितरण लोगों को किया गया। इस पूजा को कई साल से दिल्ली-एनसीआर की बेहतरीन दुर्गा पूजा की विभिन्न कैटेगरी में पुरस्कार मिलता रहा है। पुरस्कारों की एक प्रदर्शनी पूजा स्थल पर लगी है। पंडाल में बांग्ला हिंदी गीतों का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगठन के महासचिव राजश्री सेनगुप्ता, अध्यक्ष अरविंदों राय, पंडाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छायानी बंदोपाध्याय, रिद्धिमा सेन गुप्ता, बर्निनी, सेन, जयिता राय, रंजिनी बसु, जिमुत राय, नीला बृथी चटर्जी, रक्तिम चौधरी, ज्योति शर्मा आदि की मुख्य भूमिका है।

सेक्टर 31- 40 स्थित साउथ सिटी-1 के सहस्त्राब्दि दुर्गा पूजा पंडाल में पुष्पांजलि और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के महासचिव अर्णव मजूमदार, पूर्व अध्यक्ष पीके घटक आदि ने व्यवस्था में मुख्य भूमिका निभाई। इस पंडाल की ओर से प्रतिदिन भंडारा आयोजित किया जा रहा है। इसकी व्यवस्था पंडाल की महिलाएं देख रही हैं। सोमवार की शाम यहां मां दुर्गा के रूपों पर नृत्य नाटिका और बांग्ला नाटक का मंचन किया गया।

17 साल पहले चोरी हुई हथिनी की तलाश व रिकवरी के लिए बनी टीम

साहिबाबाद। टीलामोड़ के असालतपुर निवासी गयूर अली को 17 साल पहले चोरी हुई हथिनी गोइनी की रिकवरी और मामले की जांच के लिए 29 सितंबर को पुलिस टीम का गठन किया गया है। हथिनी चोरी का मुकदमा कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने 27 सितंबर को दर्ज किया था। हथिनी को खोजकर उसे रिकवर करना पुलिस के लिए चुनौती पूर्ण कार्य होगा। वहीं टीएचए में इस तरह का यह पहला मामला है जो लोगों के बीच चर्चा का विषय भी बना हुआ है। गयूर अली ने साल 2000 में बिहार के सोनपुर हाथी सार के मेले से 2.50 लाख रुपये में हथिनी खरीदी थी। एक जनवरी 2008 को उनकी हथिनी चोरी हो गई थी। उन्होंने इसके बाद पुलिस से मदद मांगी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब उन्होंने खुद तलाश शुरू की और यूट्यूब वीडियो की मदद से जम्मू-कश्मीर में हथिनी को ढूंढ निकाला। पुलिस को साक्ष्य देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने छह अक्तूबर 2022 को कोर्ट में अपील कर न्याय की गुहार लगाई। हालांकि निचली अदालत ने अपील को खारिज कर दिया।

शराब पीकर रामलीला मैदान में दौड़ाई कार, 3 दुकानदार घायल

गाजियाबाद। कविनगर स्थित रामलीला ग्राउंड में मंचन के बाद मेरठ से दोस्तों के साथ आए युवक ने मैदान में कार दौड़ा दी। अनियंत्रित कार दुकान बंद कर सो रहे दुकानदारों पर चढ़ गई। हादसे में तीन दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गए। शराब के नशे में धुत कार चालक ईशान सिंह ने दुकानदारों को रौंदकर भागने का प्रयास किया।

हड़बड़ाहट में रामलीला मैदान के गेट नंबर दो और उसके सामने ई-ब्लॉक के गेट में टक्कर मार दी। इससे कार भी क्षतिग्रस्त हो गई हालांकि आरोपी चालक कार समेत मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी ईशान सिंह को गिरफ्तार कर लिया है और

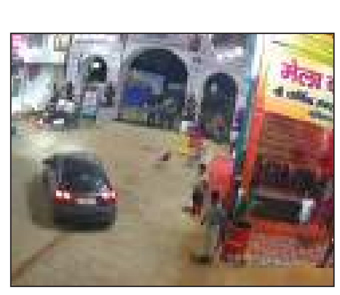

गाड़ी भी कब्जे में ले ली है।

एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि धार्मिक रामलीला समिति के उपाध्यक्ष अजय जैन के मुताबिक 26 सितंबर की सुबह करीब साढ़े तीन बजे मैदान खाली था और दुकान बंद कर दुकानदार सो रहे थे। इसी दौरान रामलीला मैदान में आई-20 कार तेज रफ्तार से घुसी और इधर-उधर दौड़ती रही। कमेटी के सदस्यों ने शोर मचाया लेकिन कार सवारों ने किसी की न सुनी। दुकानों के सामने सो रहे दुकानदार मदन गोपाल उर्फ पिंटू, विवेक और हीरेश कुमार गाड़ी की चपेट में आकर घायल हो गए।

चीख-पुकार होने पर आरोपी चालक कार लेकर भागने लगा। अजय जैन ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार चालक नशे में था। भागने के प्रयास में आरोपी ने पहले गेट नंबर दो में और उसके बाद ई-ब्लॉक के गेट में जोरदार टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने शोर मचाकर आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया तो वह कार लेकर भाग गया। उपाध्यक्ष अजय जैन ने रामलीला मैदान में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने के साथ-साथ आरोपी कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसीपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार की पहचान कर आरोपी चालक ईशान सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। कार भी कब्जे में ले ली गई है। बताया कि आरोपी मूल रूप से जाकिर नगर जामिया नगर ओखला न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी का रहने वाला है। हालांकि वह जनपद मेरठ की गोविंदपुरी में रहता है और अपने साथियों के साथ रामलीला मंचन देखने कविनगर रामलीला ग्राउंड में आया था।

दुर्गा पंडाल में मांस की दुकान लगाने पर हंगामा, दो हिरासत में

इंदिरापुरम। थानाक्षेत्र स्थित शिप्रा सनसिटी सोसायटी के पीछे खाली पड़े मैदान में लगे दुर्गा पंडाल के परिसर में मांस बिक्री के स्टॉल लगाने पर पुलिस ने 29 सितंबर को दो लोगों को हिरासत में लिया है। विवाद 27 सितंबर की रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हुई वीडियो के बाद शुरू हुआ। पुलिस ने दुर्गा पंडाल से छह दुकानों को भी हटवाया है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि खाली पड़े मैदान में बंगाली समाज ने दुर्गा पूजा पंडाल लगाया है। पंडाल के लिए नियमों के अनुसार पुलिस अनुमति भी ली गई है। बताया कि पंडाल परिसर में विभिन्न स्टॉल लगाए गए हैं। अलग-अलग तरह के उत्पादों के स्टॉल के लिए आयोजकों ने जगह किराये पर दी थी। शनिवार रात एक एक्स यूजर ने पोस्ट करके परिसर में मांस उत्पाद बिक्री के स्टॉल लगे होने की शिकायत की थी। पोस्ट के साथ एक वीडियो भी अपलोड की थी, जिसमें सार्वजनिक तौर पर लगे स्टॉल और वहां खड़े होकर मांस उत्पादों का सेवन करते लोग दिखाई दे रहे थे। पोस्ट में एक और वीडियो थी। आरोप था कि क्षेत्र में ही हो रहे जागरण कार्यक्रम में ऐसे गायक को बुलाया गया, जिसने धार्मिक भजन गाने से मना कर दिया था।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)